page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/7/2025 1:36 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

5 आईएसएसएफपीपल्स चाइस मेन्स एथलीट आफद ईयचर 2025 चुने गए जोरावर सिंह

8 उत्तम आय के लिए अपनाएं मटर की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-300 | जम्मू तवी, रविवार 07 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जेकेपीएससी परीक्षा पर सोशल मीडिया के दावे गुमराह करने वाले हैं : उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर, 06 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को साफ किया कि जेकेपीएससी परीक्षा के बारे में सोशल मीडिया पर चल रहे पोस्ट गुमराह करने वाले हैं, उन्होंने कहा कि लोक भवन को 2 दिसंबर को मिली फाइल सिर्फ उम्र में छूट से जुड़ी थी। उन्होंने कहा कि लोक भवन ने एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में बदलाव के बाद 7 दिसंबर को परीक्षा कराने की लॉजिकल संभावना पर सवाल के साथ उसी दिन फाइल वापस कर दी थी। एक्स पर उपराज्यपाल ने लिखा कि जेकेपीएससी परीक्षा के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट गुमराह करने वाले हैं। लोक भवन को 2 दिसंबर, 2025 को फाइल मिली थी, जो सिर्फ़ रिलैक्सेशन से जुड़ी थी। उन्होंने यह भी लिखा कि फाइल उसी दिन 2 दिसंबर, 2025 को वापस कर दी गई जिसमें पूछा गया था कि क्या इतनी देर से एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में बदलाव करके 7 दिसंबर को परीक्षा

कराना लॉजिस्टिकली मुमकिन है। परीक्षा के लिए एडवर्टाइजमेंट नोटिस जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस कमीशन ने 22.08.2025 को पब्लिश किया था। परीक्षा 07.12.2025 को होने की जानकारी 06.11.2025 को एक नोटिस के ज़रिए दी गई थी। पोस्ट में बताया गया कि परीक्षा के लिए विज्ञापन JKPSC द्वारा 22 अगस्त को जारी किया गया था, जबकि परीक्षा 6 नवंबर के नोटिस के आधार पर 7 दिसंबर को आयोजित की जानी थी। दिन में पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने JKPSC से अपील की कि

JKPSC एग्जाम विवाद

“एग्जाम की फाइल उसी दिन वापस कर दी गई; 4 दिनों तक कोई जवाब नहीं मिला

आयु छूट को मंज़ूरी देने में लोक भवन की देरी से उत्पन्न अनिश्चितता के मद्देनज़र ष्टश्व को स्थगित करने पर विचार किया जाए।मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मुख्यमंत्री ongoing एयरलाइन समस्याओं के चलते यात्रा अव्यवस्था और उसके साथ-साथ बार-बार दी गई आयु छूट को मंज़ूरी देने में लोक भवन की देरी से उत्पन्न अनिश्चितता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं।अब्दुल्ला ने कहा कि अभ्यर्थियों पर पड़े अभूतपूर्व तनाव को देखते हुए परीक्षा स्थगित की जानी चाहिए ताकि सभी को समान अवसर और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी ने भी सुझाव दिया कि जब तक आयु छूट का मुद्दा, जो फिलहाल उपराज्यपाल की मंज़ूरी का इंतज़ार कर रहा है, हल नहीं हो जाता, तब तक परीक्षा स्थगित कर दी जानी चाहिए।सीपीआई(एम) के वरिष्ठ नेता और कुलगाम के विधायक एम. वाई. तारिगामी ने कहा कि आयु छूट पर निर्णय लंबित होने के बावजूद रविवार को परीक्षा आयोजित करना अभ्यर्थियों के लिए स्पष्ट नुकसान है। उन्होंने कहा, "JKAS अभ्यर्थियों के लिए ऊपरी आयु सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव राज भवन (लोक भवन) भेजा जा चुका है, जबकि परीक्षा कल से शुरू होने वाली है। ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय के लंबित होने के दौरान परीक्षा आयोजित करना अभ्यर्थियों को स्पष्ट रूप से नुकसान में डालता है।

भारत की आर्थिक वृद्धि के ताजा आंकड़े एक दशक के सुधारों का परिणाम : मोदी

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के आंकड़े उन बुनियादी परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो देश में पिछले 10 साल में हुए हैं, और यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बन गया है।

श्री मोदी ने यहां एक मीडिया हाउस के आयोजन को संबोधित करते हुए कुछ दिन पहले जारी दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का उल्लेख किया जिनमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। प्रधानमंत्री ने कहा, ‘‘ये आंकड़े प्रगति की नयी गति को दर्शाते हैं। यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक मजबूत व्यापक आर्थिक संकेत है - एक संदेश कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का इंजन बन

रहा है।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति का मॉडल बनकर उभरा है। श्री मोदी ने याद किया कि एक समय अर्थशास्त्री ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर चिंतित रहते थे, लेकिन आज वही अर्थशास्त्री देश की कम मुद्रास्फीति की चर्चा करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की उपलब्धियां साधारण नहीं हैं, और न ही वे केवल आंकड़ों की बात हैं, बल्कि वे उस बुनियादी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो देश में पिछले दशक में आया है। यह बुनियादी परिवर्तन लचीलापन, समस्याओं का समाधान खोजने की प्रवृत्ति, आशंकाओं के बादल हटाने और आकांक्षाओं को विस्तार देने के बारे में है।

उन्होंने कहा कि इसी वजह से आज का भारत स्वयं को बदल रहा है और आने वाले कल को भी रूपांतरित कर रहा है। इस परिवर्तन में विश्वास की नींव आज किये जा रहे कार्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज के सुधार और आज का प्रदर्शन कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी क्षमता लंबे समय तक अप्रयुक्त रही। जब इस अप्रयुक्त क्षमता को अधिक अवसर मिलते हैं, और जब यह बिना बाधा देश के विकास में पूरा योगदान देती है, तो देश का परिवर्तन निश्चित है।

उन्होंने मीडिया से पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर, गांवों, टियर-2 और टियर-3 शहरों, महिला शक्ति, नवाचारी युवाओं, समुद्री शक्ति और ब्लू इकोनॉमी तथा अंतरिक्ष क्षेत्र पर विचार करने का आग्रह किया - जिनकी पूरी क्षमता पिछले दशकों में उपयोग नहीं की गयी। प्रधानमंत्री ने कहा, ‘‘आज भारत इस अप्रयुक्त क्षमता को उपयोग में लाने की दृष्टि से काम कर रहा है। पूर्वी भारत में आधुनिक बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और उद्योग में अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है। गांवों और छोटे शहरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जम्मू कश्मीर में खराब फर्टिलाइज़र सप्लाई के खिलाफ 230 एनफोर्समेंट ड्राइव

नई दिल्ली,06 दिसंबर। फर्टिलाइज़र सप्लाई में गड़बड़ियों पर कार्रवाई करते हुए, जम्मू और कश्मीर में अधिकारियों ने मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान ब्लैक मार्केटिंग, जमाखोरी और घटिया प्रोडक्ट्स की सप्लाई के खिलाफ 230 से ज्यादा एनफोर्समेंट एक्शन लिए हैं, केंद्रीय मंत्रालय ने लोकसभा में बताया।

J&K द्वारा केंद्र को दिए गए डेटा के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश ने 1 अप्रैल से 28 नवंबर, 2025 के बीच यूरिया, DAP और दूसरे फर्टिलाइज़र की सप्लाई में गड़बड़ियों की जांच के लिए 3,694 इंस्पेक्शन किए।

न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, इस दौरान, अधिकारियों ने अ में ब्लैक मार्केटिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन के लिए 142 कारण बताओ नोटिस जारी किए, 44 लाइसेंस कैंसिल किए और दो FIR दर्ज कीं।

जमाखोरी से जुड़े एनफोर्समेंट के तहत, अ ने 31 नोटिस दिए, दो लाइसेंस कैंसिल किए और कोई FIR दर्ज नहीं की। J&K ने घटिया क्वालिटी के मामलों में 55 कारण बताओ नोटिस जारी किए, जबकि डायवर्जन से जुड़ी जांच में आठ नोटिस दिए गए, हालांकि इन कैटेगरी में कोई FIR दर्ज नहीं की गई। मंत्रालय ने आगे कहा कि J&K समेत पूरे देश में फर्टिलाइज़र की उपलब्धता मौजूदा रबी 2025-26 सीज़न के दौरान काफ़ी रही है। केंद्रीय स्तर पर मिली कोई भी शिकायत ज़रूरी वस्तु अधिनियम और फर्टिलाइज़र कंट्रोल ऑर्डर के तहत कार्रवाई के लिए संबंधित राज्य/T को भेज दी जाती है। केंद्र ने यह भी बताया कि इंटीग्रेटेड फर्टिलाइज़र मॉनिटरिंग सिस्टम के ज़रिए फर्टिलाइज़र मूवमेंट पर लगातार नज़र रखी जा रही है और राज्यों, UT को समय पर सप्लाई पक्का करने के लिए मैन्युफैक्चरर्स और इंपोर्टर्स के साथ कोऑर्डिनेट करने की सलाह दी गई है।

कार खाई में गिरी, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

किश्तवाड़ 6 दिसंबर । शनिवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक कार के खाई में गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा किश्तवाड़ शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर द्राबशल्ला लिंक रोड पर तब हुआ जब परिवार सरथल माता मंदिर में पूजा करने के बाद डोडा के देसा गांव में अपने घर लौट रहा था। पुलिस ने बताया कि पहली नज़र में ऐसा लग रहा है कि कार के चालक ने एक अंधे मोड़ पर कंट्रोल खो दिया जिससे गाड़ी सड़क से उतरकर खाई में गिर गई। स्थानीय वॉलंटियर पीड़ितों को बचाने के लिए दौड़े और मौके पर एक लड़की समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मलबे से एक महिला को निकाला गया और उसे जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

आज जम्मू कश्मीर एयरपोर्ट पर 21 उड़ानें रद्द

श्रीनगर में 14 IndiGo, 4 दूसरी एयरलाइन की, जम्मू में 3 फ्लाइट्स कैंसिल

जम्मू तवी, 06 दिसंबर। शनिवार को श्रीनगर और जम्मू एयरपोर्ट पर लगातार दूसरे दिन भी फ्लाइट्स में रुकावट जारी रही, जिससे IndiGo के ऑपरेशन्स पर फिर से बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन और देरी का असर पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि दिन की 64 शेड्यूल्ड फ्लाइट्स में से 18 कैंसिल हो गईं, जिनमें से 14 IndiGo की और चार SpiceJet समेत दूसरी एयरलाइन्स की थीं, जबकि IndiGo की 10 दूसरी फ्लाइट्स में देरी हुई।

जम्मू एयरपोर्ट पर, IndiGo के देश भर में नेटवर्क पर असर डालने वाली उन्हीं ऑपरेशनल रुकावटों की वजह से दिन में तीन फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं, जिससे पूरे केंद्र शासित प्रदेश में दिन में कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स की कुल संख्या 21 हो गई।

एक एयरपोर्ट अधिकारी ने न्यूज़ एजेंसी को

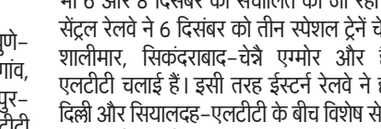

बताया कि श्रीनगर एयरपोर्ट पर शनिवार के शेड्यूल में 32 अराइवल और 32 डिपार्चर वाली 64 फ्लाइट्स मूवमेंट शामिल थीं।

अधिकारी ने कहा, इनमें से, इंडिगो की दिन भर में 36 फ्लाइट थीं, जिनमें से 18 आने वाली और 18 जाने वाली थीं। इंडिगो की चौदह फ्लाइट, जिनमें से सात आने वाली और सात जाने वाली थीं, कैंसल कर दी गईं, और 10 दूसरी, जिनमें से पाँच आने वाली और पाँच जाने वाली थीं, में देरी की सूचना मिली।

मुख्यमंत्री उमर ने एयरलाइन में चल रही दिक्कतों और लोक भवन से ज़रूरी फ़ैसलों में देरी पर जताई चिंता

जम्मू, 6 दिसंबर । जेकेएएस के हज़ारों उम्मीदवारों में बढ़ती चिंता के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एयरलाइन में चल रही दिक्कतों और लोक भवन से ज़रूरी फ़ैसलों में देरी पर चिंता जताई है। यात्रा के रास्ते बंद होने और उम्र में छूट की मंज़ूरी अभी भी अनिश्चित होने के कारण उम्मीदवारों का कहना है कि उन्हें अपनी ज़िंदगी के सबसे ज़रूरी एग्ज़ाम से ठीक पहले ऐसे हालातों से जूझना पड़ रहा है जो उनके नियंत्रण से बहुत दूर हैं। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एयरलाइन से जुड़ी मौजूदा दिक्कतों की वजह से यात्रा में हो रही गंभीर दिक्कतों पर गहरी चिंता जताई है।उन्होंने कहा कि उम्र में छूट को मंज़ूरी देने में लोक भवन की देरी से स्थिति और भी मुश्किल हो गई है

राष्ट्रपति मुर्मु, मोदी और बिरला ने अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 06 दिसंबर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा, ‘‘भारत के महान संविधान के शिल्पी, सामाजिक न्याय के प्रहरी, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा कि समानता, न्याय, शिक्षा और समावेशी विकास पर आधारित समाज का उनका दृष्टिकोण आज भी देश के विकास के लिये मार्गदर्शक बना हुआ है। इन मूलभूत तत्वों का समावेश बाबा साहब ने भारतीय संविधान में भी किया। कल्याणकारी राज्य की संकल्पना के साथ करोड़ों देशवासियों के लिए न्याय, समानता, स्वतंत्रता और अधिकारों की राह प्रशस्त की।

भारतीय रेल अगले तीन दिनों में चलाएगी 89 स्पेशल ट्रेन सेवाएं

उड़ान रद्द होने और सर्दी के बढ़ते मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए बड़ा निर्णय

नई दिल्ली, 06 दिसंबर। शीतकालीन मौसम और बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने के कारण विभिन्न रूटों पर बढ़ी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भारतीय रेल ने 89 स्पेशल ट्रेन सेवाएं (100 से अधिक फेरों सहित) अगले तीन दिनों के लिए चलाने की घोषणा की है।

रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इन स्पेशल सेवाओं का उद्देश्य देश के प्रमुख शहरों मुंबई, दिल्ली, पुणे, हावड़ा, हैदराबाद सहित अन्य महानगरों के बीच सुगम यात्रा और पर्याप्त कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। रेलवे ने जानकारी दी है कि उत्तर रेलवे दिल्ली-मुंबई के बीच 6 अतिरिक्त फेरों का संचालन भी करेगी।

सेंट्रल रेलवे 14 स्पेशल ट्रेनें चला रहा है, जिनमें पुणे-बेंगलुरु, पुणे-हजरत निजामुद्दीन, एलटीटी-मडगांव, सीएसएमटी-निजामुद्दीन, एलटीटी-लखनऊ, नागपुर-सीएसएमटी, गोरखपुर-एलटीटी और बिलासपुर-एलटीटी के बीच विभिन्न तिथियों पर संचालित होने वाली सेवाएं शामिल हैं। इन सभी ट्रेनों को 6 से 12 दिसंबर के बीच यात्रियों की अतिरिक्त मांग के मद्देनज़र चलाया जा रहा है। साउथ ईस्टर्न रेलवे के तहत संतरागाछी-यलहंका, हावड़ा-सीएसएमटी और चेरलापल्ली-शालीमार के बीच विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। यह कदम हाल में उड़ानों की रद्दीकरण के बाद बढ़े यात्रा दबाव को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इनमें संतरागाछी-यलहंका स्पेशल 7 और 9 दिसंबर को, जबकि हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल 6 और 8 दिसंबर को चलेगी। चेरलापल्ली-शालीमार स्पेशल भी 6 और 8 दिसंबर को संचालित की जा रही है। साउथ सेंट्रल रेलवे ने 6 दिसंबर को तीन स्पेशल ट्रेनें चेरलापल्ली-शालीमार, सिकंदराबाद-चेन्नै एग्मोर और हैदराबाद-एलटीटी चलाई हैं। इसी तरह ईस्टर्न रेलवे ने हावड़ा-नई दिल्ली और सियालदह-एलटीटी के बीच विशेष सेवाएं चलाई हैं, जिनकी वापसी यात्राएं 8 और 9 दिसंबर को होंगी।

इंडिगो संकट के बीच अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली, 06 दिसंबर । इंडिगो संकट के बीच टाटा की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और उसकी सहयोगी एयरलाइंस एयर इंडिया एक्सप्रेस अतिरिक्त उड़ानों का संचालन करेगी। इंडिगो एयरलाइंस आज 500 से ज्यादा उड़ानें निरस्त कर चुकी है।

एयरलाइंस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एयर इंडिया समूह प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रहा है।

समूह ने इंडिगो की उड़ान बाधित होने से देशभर में पिछले चार-पांच दिनों से यात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए कदम उठाने की बात कही है।

एयर इंडिया ने एक्स पोस्ट पर किराया संबंधी दिशा-निर्देश पर जारी एक बयान में कहा, चार दिसंबर से नॉन-स्टॉप घरेलू उड़ानों में इकोनॉमी श्रेणी के हवाई किराये को पहले से तय सीमा में रखा गया है, ताकि सामान्य मांग और आपूर्ति के नियम का असर न पड़े।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों ने इकोनॉमी श्रेणी के किराये पर सीमा निर्धारित कर दी है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस यात्रियों और उनके सामान को जल्द से जल्द उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने में मदद करने के लिए कैपेसिटी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

PSC एग्जाम शेड्यूल के हिसाब से होगे : चेयरमैन

श्रीनगर, 06 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर पब्लिक सर्विस कमीशन ने शनिवार को साफ किया कि JKAS प्रीलिम्स एग्जाम कल तय शेड्यूल के हिसाब से होगा। न्यूज़ एजेंसी से बात करते हुए, JKPSC के चेयरमैन अरुण कुमार चौधरी ने कहा, एग्जाम की तारीख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह तय शेड्यूल के हिसाब से होगा। इस बीच, लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट X पर एक सफाई जारी की है—उन्होंने एग्जाम टालने के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट को 'गुमराह करने वाला' बताया है। उन्होंने कहा है कि सरकार की भेजी गई एज-रिलैक्सेशन फाइल 2 दिसंबर को लोक भवन में मिली थी और एग्जाम से कुछ दिन पहले एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया बदलने की संभावना पर एक सवाल के साथ उसी दिन वापस कर दी गई थी।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी, शोपियां माइनस 6.4 डिग्री सेल्सियस के साथ रही सबसे ठंडी जगह

श्रीनगर, 06 दिसंबर । कश्मीर में शनिवार को भी कड़ाके की ठंड जारी रही क्योंकि पूरी घाटी में न्यूनतम तापमान और गिर गया। डेटा के मुताबिक शोपियां माइनस 6.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडी जगह रही। पुलवामा और पंपोर में माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, इसके बाद बारामूला में माइनस 5.1 डिग्री और अनंतनाग में माइनस 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरे इलाकों में श्रीनगर एयरपोर्ट पर न्यूनतम तापमान माइनस 4.8 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में माइनस 4.4 डिग्री, काजीगुंड में माइनस 4.2 डिग्री और श्रीनगर शहर में माइनस 4.1 डिग्री सेल्सियस रहा। बडगाम में भी माइनस 4.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।अवंतीपोरा में सबसे कम तापमान माइनस 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि कुपवाड़ा और बांदीपोरा में क्रमशः माइनस 3.5 डिग्री और माइनस 3.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गंदरबल में माइनस 3.1 डिग्री सेल्सियस, सोनमर्ग में माइनस 3.0 डिग्री और गुलमर्ग में माइनस 2.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कुलगाम में माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जबकि कोकरनाग घाटी में माइनस 0.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा।

आने वाले दिनों में शीतलहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है क्योंकि कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में रात का तापमान फ्रीजिंग पॉइंट से काफी नीचे बना हुआ है।

क्वाड देशों ने सीमा-पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। क्वाड सदस्य देशों- भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, विशेषकर सीमा-पार आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को आतंकवाद-मुक्त, खुला और स्वतंत्र बनाए रखने के संकल्प को दोहराया है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के बीच तीसरी क्वाड काउंटर टेररिज्म वर्किंग ग्रुप (सीटीडब्ल्यूजी) की बैठक 4-5 दिसंबर को नई दिल्ली में हुई, जो अगले क्वाड समिट की भारत की रोटेशन होस्टिंग का हिस्सा थी। क्वाड सीटीडब्ल्यूजी की स्थापना मार्च 2023 में नई दिल्ली में हुई क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान की गई थी। संयुक्त विज्ञप्ति में शनिवार को कहा गया, क्वाड सदस्य देशों ने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आतंकवादियों, आतंकवादी संगठनों और उनके एजेंटों के बारे में लगातार जानकारी शेयर करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया। इस कार्यसमूह के तीसरे सत्र में सदस्य देशों ने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने, आतंकवादियों, आतंकी संगठनों तथा उनके समर्थकों से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करने पर विशेष बल दिया। बैठक में सेक्रेटरी (वेस्ट) तथा भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज ने मुख्य भाषण में आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की।

उन्होंने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के प्रति दिखाए गए समर्थन के लिए क्वाड देशों का आभार व्यक्त किया। क्वाड देशों ने दिल्ली के 10 नवंबर 2025 के आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इसके साजिशकर्ताओं, संचालकों और वित्तपोषकों को न्याय के कटघरे में लाने की अपील की। उन्होंने सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से इस दिशा में सहयोग की मांग भी रखी। बैठक के दौरान सदस्य देशों ने इंडो-पैसिफिक सहित वैश्विक आतंकवाद परिदृश्य का मूल्यांकन साझा किया और मौजूदा तथा उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक सहयोग उपायों पर चर्चा की। इसी क्रम में शहरी परिवेश में आतंकवाद-रोधी कार्रवाई पर एक टेबलटॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों ने सर्वोत्तम प्रथाओं और संयुक्त तैयारी के अवसरों पर विचार साझा किए। भारत ने सितंबर 2025 में क्वाड के दो महत्वपूर्ण कार्यशालाओं की मेजबानी की थी, जिनमें ड्रोन के आतंकवादी उपयोग और उभरती तकनीकों के दुरुपयोग के माध्यम से आतंकी वित्तपोषण को रोकने पर चर्चा हुई थी। इन्हें क्रमशः राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया था। क्वाड सदस्यों ने आतंकवाद-रोधी सहयोग को और गहरा करने का संकल्प लेते हुए अगले वर्ष 2026 में अगली सीटीडब्ल्यूजी बैठक आयोजित करने पर सहमति जताई।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

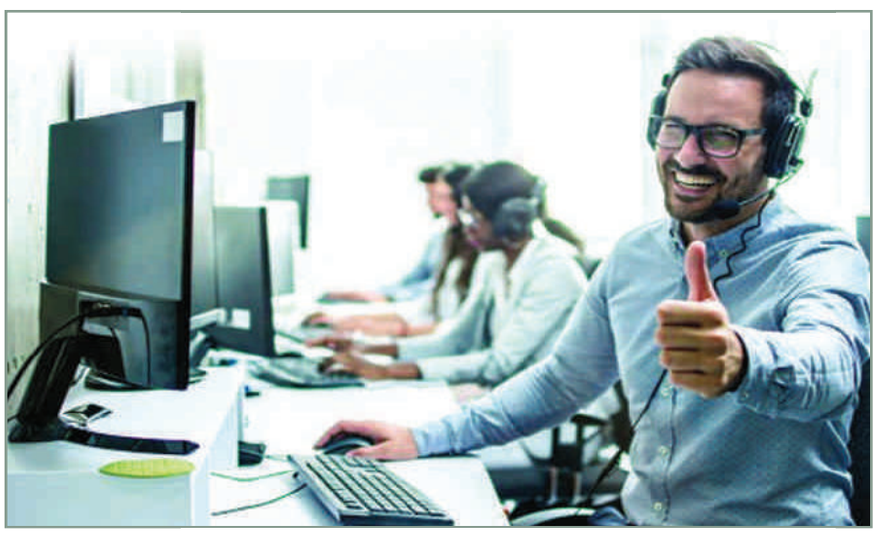

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

परिवहन सचिव ने लखनपुर स्थित एमवीडी कर संग्रह चैकी का किया औचक निरीक्षण

कदुआ, 06 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर परिवहन विभाग की सचिव अवनी लवासा ने लखनपुर स्थित एमवीडी कर संग्रह चौकी का औचक निरीक्षण किया और उसके कामकाज की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से बातचीत की और कदुआ के आरटीओ को निर्देश दिया कि वे मैन्युअल नकद लेनदेन पूरी तरह से बंद कर दें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कर संग्रह चैकी पर स्थापित पीओएस मशीनों के माध्यम से ही किए जाएँ। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से आने वाले किसी भी वाहन को बिना वैध दस्तावेजों के लखनपुर चैकी के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश की अनुमति न दी जाए। सचिव ने प्रवेश बिंदु पर राज्य कर विभाग के नियंत्रण में वर्तमान में निष्क्रिय पड़े तौल पुलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आरटीओ कदुआ को कम से कम दो तौल पुलों की मरम्मत और उन्नयन के लिए एक अनुमान और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए ताकि उन्हें मोटर वाहन विभाग द्वारा उपयोग के लिए चालू किया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यात्मक तौल सुविधा से ओवरलोड मालवाहक वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई में मदद मिलेगी। कदुआ के आरटीओ सुरिंदर पॉल शर्मा ने सचिव को लखनपुर स्थित एनएचएआई के वेट ब्रिजों से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा रीयल-टाइम डेटा साझा करने की आवश्यकता से अवगत कराया।

विधायक डॉ. राजीव भगत के नेतृत्व में डॉ. बी.आर. को दी श्रद्धांजलि

जम्मू, 6 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बी.आर. को श्रद्धांजलि देने के लिए महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बिश्नाह में एक भावपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नागरिकों और प्रमुख राजनीतिक नेताओं की भारी भीड़ देखी गई जिसमें बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत ने कार्यवाही का नेतृत्व किया।

डॉ. भगत ने सभा को अपने संबोधन में राष्ट्र के लिए डॉ. अम्बेडकर के उल्लेखनीय योगदान विशेषकर सामाजिक न्याय, समानता और वंचितों के उत्थान के लिए उनके अथक प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने सभी से बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और संविधान के सिद्धांतों पर आधारित समाज के लिए काम करने का आग्रह किया। डॉ. भगत ने इस बात पर जोर दिया कि डॉ. अंबेडकर को सम्मान देने का सबसे अच्छा तरीका उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना और सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करना है।

सैटेलाइट एंटीना प्रौद्योगिकी पर विशेष सेमिनार का आयोजन किया

श्रीनगर, 6 दिसंबर (हि.स.)। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई) ने शनिवार को सैटेलाइट एंटीना प्रौद्योगिकी पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक और एंटीना इंजीनियरिंग और अंतरिक्ष संचार प्रणालियों के अग्रणी विशेषज्ञ प्रोफेसर सौम्यब्रत चक्रवर्ती शामिल थे।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

कदुआ, 06 दिसंबर (हि.स.)। डीसी कदुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को आगामी 21 दिसंबर 2025 को होने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिला टास्क फोर्स की एक बैठक की अध्यक्षता की। गौरतलब हो कि कदुआ जिले में 92,238 बच्चों 0-5 वर्ष का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए 5 ब्लॉकों में 580 टीकाकरण केंद्र स्थापित किए जाएँगे। अभियान के सुचारू संचालन के लिए कुल 2,320 बूथ टीम सदस्य, 115 पर्यवेक्षक, 16 ट्रांजिट टीमें, 9 मोबाइल टीमें और 35 टीकाकरण केंद्र तैनात किए गए हैं। जिले में झुग्गी-झोपड़ियों, ईंट भट्टों, खानाबदोश बस्तियों, औद्योगिक क्षेत्रों और पत्थर तोड़ने वाले स्थलों सहित 112 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों का मानचित्रण किया गया है। चिन्हित किए गए पारगमन टीकाकरण केंद्रों में लखनपुर, अटल सेतु बसोहली, माश्का बसोहली और कदुआ, बुधी, दयालाचक और हीरानगर के प्रमुख रेलवे स्टेशन शामिल हैं। तैनात कार्यबल में 594 आईसीडीएस कार्यकर्ता, 783 स्वास्थ्य कर्मचारी, 12 शिक्षाकर्मी, 747 आशा कार्यकर्ता और 184 स्थानीय स्वयंसेवक शामिल हैं। वहीं 21 दिसंबर को निर्धारित केंद्रों पर बूथ-स्तरीय टीकाकरण होगा, जबकि 22 और 23 दिसंबर

को सभी प्रखंडों में घर-घर जाकर टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। उपायुक्त ने सभी हितधारकों को उच्च जोखिम वाली बस्तियों और परिवहन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देते हुए लक्षित आबादी का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पल्स पोलियो अभियान के दौरान किसी भी बच्चे के टीकाकरण से वंचित न रहने के लिए घनिष्ठ समन्वय, समय पर रसद और वास्तविक समय पर निगरानी रखने का आह्वान किया।

पुलवामा पुलिस ने नशा तस्कर को गिरफ्तार किया

पुलवामा,6 दिसंबर (हि.स.)। नशे की समस्या पर लगाम लगाने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए पुलवामा पुलिस ने आज खालसा परिगाम में नियमित नाका जाँच के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान खालसा परिगाम निवासी एजाज अहमद मोची पुत्र अब्दुल रशीद मोची के रूप में हुई है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 94 ग्राम चरस पाउडर जैसा पदार्थ बरामद हुआ। इस संबंध में संबंधित पुलिस स्टेशन में धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी संख्या 281/2025 दर्ज की गई है और आगे की जाँच शुरू कर दी गई है। पुलवामा पुलिस नशा मुक्त समाज बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और जनता से नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी के खिलाफ चल रही लड़ाई में अपना सहयोग देने का आग्रह करती है।

पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित आवासीय संपत्ति कुर्क की

जम्मू,6 दिसंबर (हि.स.)। मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जारी उपायों के तहत शोपियां पुलिस ने हरमैन शोपियां निवासी मोहम्मद रफीक गनी के सर्वे नंबर 1169 मिन के अंतर्गत 2305244 मूल्य के 6 मरला क्षेत्रफल वाले दो मंजिला आवासीय मकान को कुर्क किया है। यह संपत्ति अवैध मादक पदार्थों और मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त धन से अर्जित की गई पाई गई है। आरोपी पहले भी कई एनडीपीएस मामलों में शामिल रहा है जिनमें पुलिस स्टेशन शोपियां की एफआईआर संख्या 26/2020 और पुलिस स्टेशन हीरपोरा की एफआईआर संख्या 85/2022 शामिल हैं। कुर्की की प्रक्रिया एक विधिवत गठित पुलिस टीम कार्यकारी मजिस्ट्रेट, लंबरदार और चौकीदार की उपस्थिति में सभी कानूनी प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए की गई। शोपियां पुलिस मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों के खिलाफ कानून को लागू करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और जनता से अपील करती है कि वे मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के बारे में कोई भी जानकारी दें

पुलिस ने आप्रवासन और विदेशी अधिनियम के तहत बांग्लादेशी नागरिक पर मामला दर्ज किया

रामबन, 6 दिसंबर (हि.स.)। रामबन पुलिस ने आव्रजन कानूनों का उल्लंघन कर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और रहने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस स्टेशन चंद्रकोट में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई कि एक महिला जिसकी पहचान हप्पू अख्तर पुत्री हारून रशीद खान निवासी हबीगंज जिला बांग्लादेश के रूप में हुई है ने वैध पासपोर्ट या वीजा के बिना अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया है। सत्यापन के दौरान यह सामने आया कि उक्त महिला पिछले कुछ दिनों से चंदरकोट तहसील और जिला रामबन के कुन्फर क्षेत्र में रह रही थी। प्रारंभिक जांच से पता चला कि वह अपनी पहचान छुपाने का प्रयास कर रही थी जिससे क्षेत्र में उसकी अवैध उपस्थिति के उद्देश्य के बारे में गंभीर संदेह पैदा हो गया। निष्कर्षों के आधार पर पुलिस स्टेशन चंद्रकोट में आव्रजन और विदेशी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक मामला एफआईआर संख्या 77/2025 दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने भगोड़े को गिरफ्तार किया

जम्मू,6 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला में एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो पुलिस स्टेशन कुंज़र में दर्ज एफआईआर संख्या 69/2023 अंडर सेक्शन 457, 380 आईपीसी के तहत कानून से बच रहा था। आरोपी साकिब अहमद शाह पुत्र ग़ैर हसन शाह निवासी तकिया बाटापोरा, 2023 के मामले में लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था।

विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन कुंज़र की एक टीम ने तुरंत हर्दशूरा कुंज़र इलाके में पहुँचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। भगोड़े की गिरफ्तारी लंबे समय से फरार चल रहे थी।

अपराधियों का पता लगाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। जम्मू-कश्मीर पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है कि कोई भी अपराधी कानून की पहुंच से बच न पाए और ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया

जम्मू, 6 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र-निर्माण में उनके महान योगदान का सम्मान करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती मनाने के लिए एसडीपीओ उडी की देखरेख में जीएचएसएस गिंगेल में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने पटेल की स्थायी विरासत को श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा समर्थित मूल्यों के लिए सामूहिक सम्मान और समर्थन को प्रतिबिंबित किया।

पानी की किल्लत से जूझ रहे लोगों का विरोध प्रदर्शन

हंदवाड़ा ,6 दिसंबर (हि.स.)। पानी की किल्लत के चलते गोनीपोरा हंदवाड़ा के लोगों ने पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग पीएचई डिपार्टमेंट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और तलरी ब्रिज के पास हंदवाड़ा-विलगाम रोड को जाम कर दिया।

स्थानीय लोगों ने कहा कि वे पीने के पानी की कमी के कारण लंबे समय से परेशान हैं जिसके कारण उन्होंने डिपार्टमेंट के खिलाफ नारे लगाए।

विरोध के बाद एमएलए लंगेट शेख खुर्शीद, तहसीलदार हंदवाड़ा जीशान खान एसएचओ हंदवाड़ा विलायत सोफी, पीएचई डिपार्टमेंट की एक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों की शिकायतें सुनीं।

एमएलए शेख खुर्शीद ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि जब तक कोई पक्का समाधान नहीं हो जाता तब तक पानी के टैंकर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें दो से तीन महीने लग सकते हैं।

एसकेपीएयू में डार्क वेब जांच पर विशेष पाठ्यक्रम संपन्न

उधमपुर, 6 दिसंबर (हि.स.)। डार्क वेब इन्वेस्टिगेशन पर दो दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम आज एस.के. पुलिस अकादमी उधमपुर में संपन्न हुआ जिसमें पीएचक्यू जेएंडके द्वारा नामित जम्मू और कश्मीर के विभिन्न जिलों के चौबीस अधिकारी और एसकेपीएयू में बुनियादी प्रशिक्षण ले रहे पच्चीस पुलिस उपाधीक्षक (प्रोबेशनरी) भाग ले रहे थे। उप निदेशक एसकेपीए उधमपुर, एसएसपी बेनाम तोश ने उद्घाटन सत्र के साथ-साथ समापन सत्र की अध्यक्षता की प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उन्हें मामले के सभी पहलुओं और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्षता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निष्पक्ष तरीके से जांच करने के लिए प्रेरित किया ताकि अपराध करने वालों, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद में शामिल अपराधियों का पता लगाया जा सके

अवैध खनन में लिप्त 08 वाहन जब्त

कदुआ, 06 दिसंबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कदुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में कदुआ पुलिस ने थाना कदुआ, बनी और बिलावर के क्षेत्राधिकार में कुल आठ वाहन जब्त किए हैं जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था।

पहली घटना में डीएसपी मुख्यालय कदुआ रविंदर सिंह के मार्गदर्शन में एसएचओ थाना कदुआ संदीप चिब और प्रभारी पुलिस पोस्ट नगरी पीएसआई रविंदर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए कुल 04 वाहन जब्त किए हैं, जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा डीएसपी एसओजी बनी के मार्गदर्शन में एसएचओ पीएस बनी के नेतृत्व में पीएस बनी की पुलिस टीम ने भी बिना ए फॉर्म के स्नैड ले

जा रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया।इसी प्रकार बिलावर थाना क्षेत्र में कुल 03 वाहन जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री (बिना किसी फॉर्म के) के अवैध खनन और परिवहन के लिए किया जा रहा था। उपर्युक्त 08 वाहनों को जम्मू-कश्मीर पुलिस कदुआ द्वारा जब्त कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग, कदुआ को सौंप दिया गया है।

टूरिज्म में गिरावट के बाद सोनमर्ग में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज

गांदरबल, 06 दिसंबर (हि.स.)। महीनों की अनिश्चितता के बाद कश्मीर घाटी में खास जगहों पर पर्यटकों की गतिविधियां धीरे-धीरे वापस आने लगी है जिससे पर्यटन सेक्टर पर अपनी रोजी-रोटी के लिए निर्भर हजारों लोगों में नई उम्मीद जगी है। अधिकारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले दो महीनों में आने वालों की संख्या में धीरे-धीरे बढ़ोतरी ने सर्दियों की बर्फबारी शुरू होने के बाद और ज़्यादा लोगों के आने की उम्मीद जगाई है।

सोनमर्ग में पर्यटन विभाग द्वारा जारी डेटा से पता चलता है कि अलग-अलग महीनों में विज़िटर्स का आना-जाना लगातार बना रहा। 23 अप्रैल से 31 अप्रैल तक 7,209 घरेलू, 341 विदेशी और 832 स्थानीय पर्यटक सोनमर्ग आए और वहां के प्राकृतिक नज़ारों को देखा। मई में यह संख्या बढ़कर 17,083 घरेलू, 486 विदेशी और 4,004 स्थानीय पर्यटकों के साथ हुई।

जून में काफ़ी बढ़ोतरी हुई जिसमें 33,692 घरेलू, 281 विदेशी और 14,165 स्थानीय पर्यटक इस इलाके में आए। जुलाई में सोनमर्ग में 25,281 घरेलू, 159 विदेशी और 14,165 स्थानीय पर्यटक आए। सितंबर में 6,945 घरेलू, 422 विदेशी और 17,897 स्थानीय पर्यटक आए जबकि अक्टूबर में 8,389 घरेलू, 391 विदेशी और 5,756 स्थानीय पर्यटक आए। नवंबर में 13,527 घरेलू, 459 विदेशी और 4,084 स्थानीय पर्यटक सोनमर्ग आए और इसकी खूबसूरती का मज़ा लिया।

टूरिज्म से जुड़े लोगों ने कहा कि कश्मीर घाटी में टूरिस्ट की संख्या रोज़ बढ़ रही है। हालांकि पहलगाम की घटना के बाद टूरिज्म सेक्टर पूरी तरह से रुक गया जिससे होटल, ट्रांसपोर्ट, गाइडिंग सर्विस और इससे जुड़े बिज़नेस से जुड़े लाखों लोगों की कमाई पर बहुत बुरा असर पड़ा। उन्होंने कहा कि कई ऑपरेटर नुकसान उठाने के लिए बैंक लोन से खरीदी गई गाड़ियां बेचने पर मजबूर हो गए।

इस झटके के बावजूद इस सेक्टर से जुड़े लोग उम्मीद बनाए हुए हैं। उनका मानना है कि बर्फबारी शुरू होने से एक बार फिर पर्यटक कश्मीर की सर्दियों की खूबसूरती का अनुभव करने के लिए उत्सुक होंगे।

पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में 03 डंपरों सहित 05 वाहन ज़ब्त किए

सांबा, 6 दिसंबर (हि.स.)। अवैध खनन के विरुद्ध अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने सांबा और पुरमंडल पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में तीन डंपरों सहित पाँच वाहन ज़ब्त किए हैं जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। थाना पुरमंडल के प्रभारी और सांबा थाना के मानसर, सुपवाल और गोरान पुलिस चौकियों के प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जे के 14एफ-8303, जेके14एफ-833, जेके21के-6948, जेके21के-9245 वाले तीन डंपर, पंजीकरण संख्या जेके21 एल-0484 वाली एक ट्रैक्टर ट्रॉली और बिना नंबर वाली एक ट्रैक्टर ट्रॉली ज़ब्त की है जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। उपरोक्त वाहनों को सांबा पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है

अवैध शराब के साथ 1 तस्कर गिरफ्तार, वाहन जब्त

कदुआ, 06 दिसंबर (हि.स.)। अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत कदुआ पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा के नेतृत्व में मल्हार थाना क्षेत्र में अवैध शराब की एक बड़ी खेप जब्त कर एक तस्कर को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार डीएसपी सुशील कुमार के पर्यवेक्षण में और मल्हार थाना प्रभारी अरुण कुमार शान के नेतृत्व में मल्हार थाना पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान एक मारुति एक्को नंबर जेके08के-9568 को जांच के लिए रोका।

जबकि चालक ने तेजी से गाड़ी मोड़कर मौके से भागने की कोशिश की। तत्पर गश्ती दल ने तुरंत कार्रवाई की और उक्त गाड़ी को सफलतापूर्वक रोक लिया। गहन जाँच करने पर गाड़ी के पिछले हिस्से में एक कंबल के नीचे चालाकी से छिपाई गई कुल 486 अवैध शराब बरामद हुई। चालक की पहचान रवि कुमार पुत्र देस राज निवासी बग्गन तहसील बिलावर जिला कठुआ के रूप में हुई, जिसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। अवैध शराब की पूरी खेप और परिवहन में प्रयुक्त वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

इस संबंध में मल्हार पुलिस स्टेशन में जम्मू-कश्मीर आबकारी अधिनियम की धारा 48(ए) के तहत एफआईआर संख्या 31/2025 दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने दो लापता महिलाओं का पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

डोडा,6 दिसंबर (हि.स.)। डोडा पुलिस ने दो लापता महिलाओं का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों से सुरक्षित मिला दिया है। पहले मामले में रिया देवी पुत्री कलेश कुमार निवासी चक्रांति जठेली तहसील मोहल्ला, 04.07.2024 से लापता थी। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और उसे खोजने के निरंतर प्रयास किए गए। अंतत उसे उधमपुर में ढूंढ लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसने अपनी इच्छा से लाल चंद निवासी माधा तहसील चेनानी से विवाह किया था। उसके स्वैच्छिक बयान और सुरक्षित बरामदगी को देखते हुए गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई है। दूसरे मामले में 23.11.2025 को यास्मीना बानो पुत्री अब्दुल कयूम निवासी बेहोटा तहसील मरमत नामक एक महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस चौकी गोहस में डीडीआर संख्या 04 दिनांक 23-11-2025 के तहत दर्ज की गई थी।

आज उक्त लापता महिला को डेडनी से बरामद किया गया और डीडीआर अप संख्या 05 दिनांक 06-12-2025 के तहत उसकी बरामदगी दर्ज की गई। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद महिला को उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंप दिया गया। डोडा पुलिस लापता व्यक्तियों का शीघ्र पता लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Union Territory of Jammu & Kashmir
Jal Shakti (Irrigation & Flood Control) Department
Office of the Executive Engineer Irrigation Division No.II Jammu
Tel/Fax: 0191-2457756
****

No:JID/II/2025-26/5663-5699
Dated:05-12-2025

Corrigendum

Subject:Extension of dates.
Reference: This office E-NIT No. 14 of 11/2025-26 issued vide endorsement No. JID/II/2025-26/4998-5034Dated20-11-2025. (Works figuring at S.No.7 &12)

This is for the information of all the concerned thatthe bid opening and closingdates of above-mentionedworks of this office E-NIT under reference are hereby extended due to poor responseand the fresh dates are as under: -

i) Uploading stops on	**:**	**09-12-2025**	**(18:00 PM)**
ii) Tender opens on	**:**	**10-12-2025**	**(12:00 Noon)**

DIP/J-8727/25
Dtd:6-12-2025

Sd/-
Executive Engineer
Irrigation Division No.II
Jammu

संपादकीय

पुलिस को पिटाई करने का कोई अधिकार नहीं

इन दिनों एक खतरनाक प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, जिसमें पुलिसकर्मी अलग-अलग कारणों से लोगों को पीटने में लगे हुए हैं। एक ओर जहाँ पुलिस विभाग में सुधार किए जा रहे हैं और नेतृत्व आधुनिकता तथा कार्यकुशलता पर ज़ोर दे रहा है, वहीं दूसरी ओर अधिकारी समेत कई पुलिसकर्मी कानून को अपने हाथ में लेते हुए गुस्से या अन्य कारणों से लोगों को पीटते नज़र आ रहे हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर में वर्दीधारी कर्मियों की गैर-पेशेवर छवि उजागर होती है।

यह सही समय है कि जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मियों को उनकी कानूनी सीमाओं के बारे में संवेदनशील और प्रशिक्षित किया जाए, क्योंकि उन्हें नागरिकों पर हमला करने का अधिकार नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम लोगों की मनमानी पिटाई की घटनाएँ इतनी बढ़ गई हैं कि मानो यह पुलिस का विशेषाधिकार हो—जो बिल्कुल अस्वीकार्य है और तुरंत सुधारात्मक कदमों की मांग करती है, क्योंकि किसी आरोपी को दंडित करना उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता।

ऐसे अनुचित व्यवहार को तुरंत सुधारा जाना चाहिए, अन्यथा पुलिस को समाज के अविश्वास का सामना करना पड़ेगा, जो किसी भी हितधारक के लिए अच्छा नहीं है। इसी संदर्भ में डोडा ज़िले से पुलिस की एक और निंदनीय घटना सामने आई है, जहाँ एक सहायक उप-निरीक्षक के खिलाफ़ उस वीडियो के आधार पर मामला दर्ज किया गया है जिसमें उसे सार्वजनिक स्थान पर एक दो-पहिया वाहन चालक को शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हुए दिखाया गया है।

हालाँकि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, लेकिन यह अत्यंत आवश्यक है कि जाँच की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकर्मी बिना किसी पूर्वाग्रह के इसकी निष्पक्ष जाँच करें। यह न केवल सच सामने लाने के लिए ज़रूरी है, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश में पुलिसिंग में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इसी क्रम में, कुछ दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने गांधी नगर के एक पूर्व एसडीपीओ को निलंबित कर दिया था, जब एक जेकेएएस अधिकारी ने उन पर हमला करने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान उक्त अधिकारी को पुलिस मुख्यालय, जम्मू-कश्मीर से संबद्ध रहने का आदेश भी दिया गया था।

ऐसे मामले जम्मू-कश्मीर पुलिस की छवि पर धब्बा लगाते हैं, जिससे यह आवश्यक हो जाता है कि शीर्ष स्तर के लोग इस संस्कृति को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पुलिसकर्मियों को उनके अधिकारों और सीमाओं के बारे में स्पष्ट रूप से शिक्षित किया जाना चाहिए। किसी पर भी हमला करना—किसी के द्वारा—एक अपराध है, और यह एक सरल सिद्धांत है जिसे सभी रैंकों के पुलिसकर्मियों में आत्मसात किया जाना चाहिए ताकि इस प्रकार के गैर-पेशेवर व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो।

इस समस्या का प्रभावी समाधान करने के लिए, प्रशासन नियमित व्यवहारिक ऑडिट, अनिवार्य मानवाधिकार पुनर्शिक्षण कोर्स, और सभी रैंकों के लिए बॉडी-कैमरा जांच जैसी व्यवस्थाओं पर विचार कर सकता है। ऐसे संस्थागत उपाय शक्ति के दुरुपयोग पर रोक लगाने के साथ-साथ ईमानदार अधिकारियों की भी सुरक्षा करेंगे, और जवाबदेही, पारदर्शिता तथा जन-विश्वास पर आधारित पुलिसिंग संस्कृति को स्थापित करने में मदद करेंगे।

2030 राष्ट्रमंडल खेल और 2036 विश्व-ओलंपिक - अवसर, जोखिम और भविष्य

- डॉ सत्यवान सौरभ

सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सन 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक अग्रदूत हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पावर) को नई ऊँचाई दे सकता है, परन्तु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकती है।

विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएँ नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनैतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं।

आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है—ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है, और सन 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

परंतु ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के पूर्वाभ्यास, पूर्व-ओलंपिक नमूने और वैश्विक विश्वास की परीक्षा के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएँ प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करती है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज- सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो यह विश्व स्तर पर यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि सन 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर सम्पन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाई प्रदान करेगा।

किन्तु इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। सन 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद है- अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था।

यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है। इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जाँच, और जवाबदेही-व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है।

यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है। इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि सम्पूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है। संभावित मेजबान नगर—दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई या किसी बहु-नगर मॉडल—सभी पर भारी तैयारी का दबाव होगा।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढाँचा विश्व-स्तर पर पहुँच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल दिखावे की अधोसंरचना में बदल जाए, जो आयोजन-उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं जहाँ खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में मरे हुए ढाँचे बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है। इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

भारत को पर्यटन, आतिथ्य, सांस्कृतिक प्रदर्शनों, कला एवं हस्तशिल्प, पारंपरिक संगीत, खानपान और जातीय विविधता जैसे क्षेत्रों में अपार लाभ प्राप्त होने की संभावना है। विश्वभर से लाखों दर्शक और प्रतिनिधि भारत आएँगे, जिससे सेवा क्षेत्र, व्यापार, परिवहन, कृषि-आधारित उपभोग और सूक्ष्म उद्योगों को व्यापक लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटल भारत की अवधारणा—जैसे पूर्णतः डिजिटल प्रवेश-प्रणाली, दूर-संवेदन सुरक्षा व्यवस्था, तेज संचार तंत्र—विश्व के सामने भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता का अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकती है।

फिर भी यह स्वीकार करना पड़ेगा कि विश्व-ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की लागत बहुत भारी होती है। वर्तमान वैश्विक औसत के आधार पर यह लागत अत्यधिक बढ़ जाती है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को एक वित्तीय प्रयोगशाला की तरह उपयोग किया जाए, जहाँ सार्वजनिक-निजी सहभागिता, सामाजिक उत्तरदायित्व निधि, पर्यटन आधारित आय, और भागीदारी मॉडल जैसे उपायों की पहले से जाँच हो सके। यह देखा जा सके कि कौन-सा मॉडल भारत की सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप अधिक स्थायी और सफल हो सकता है।

परंतु आलोचना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या भारत जैसे विकासशील राष्ट्र को इतने बड़े आयोजनों पर अत्यधिक धन व्यय करना उचित है? क्या यह धन विद्यालयों, स्वास्थ्य सेवाओं, ग्रामीण खेलों, महिला खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान प्रयोगशालाओं और खेल अकादमियों जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अधिक प्रभावी रूप से उपयोग नहीं किया जा सकता? यह प्रश्न अत्यंत तर्कसंगत है। किसी भी खेल आयोजन का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की चमक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिभा का विकास होना चाहिए। यदि आयोजन पर खर्च किए गए संसाधन जमीनी स्तर के खेल ढांचे से ध्यान हटाकर केवल भव्यता के निर्माण में लग जाएँ, तो यह राष्ट्रहित के प्रतिकूल होगा।

इसके अतिरिक्त, यह आयोजन भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को भी नया आयाम प्रदान कर सकता है। भारत पहले से विश्व-दक्षिण समूह का अग्रणी प्रतिनिधि बन रहा है और वैश्विक संस्थाओं में उसका योगदान निरंतर बढ़ रहा है। ऐसे में सफल खेल मेजबानी भारत की बहुआयामी नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करेगी। इससे यह संदेश जाएगा कि भारत अब केवल उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, सक्षम और विश्वस्तरीय आयोजक राष्ट्र बन चुका है।

फिर भी अंतिम प्रश्न यही है- क्या भारत संस्थागत रूप से तैयार है? खेल संघों में आंतरिक राजनीति, पारदर्शिता का अभाव, भ्रष्टाचार, चयन प्रक्रियाओं की कमजोरी और प्रशासनिक अनिश्चितता- ये समस्याएँ अभी भी भारतीय खेल तंत्र को कमजोर बनाती हैं। यदि इन कमियों को दूर न किया गया तो 2030 और 2036 दोनों आयोजनों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

अंततः, 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए एक विशाल अवसर और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति, तकनीकी क्षमता, सांस्कृतिक विविधता और प्रशासनिक दक्षता का विश्वव्यापी प्रदर्शन हो सकता है। यह 2036 विश्व-ओलंपिक के प्रस्ताव को निर्णायक रूप से सशक्त कर सकता है। लेकिन यह तभी संभव है जब भारत इसे केवल दिखावे का आयोजन न समझकर, इसे दीर्घकालिक राष्ट्रहित से जोड़कर देखे। यदि निवेश टिकाऊ हो, नीतियाँ पारदर्शी हों, प्रशासन उत्तरदायी हो, और अधोसंरचना जनता के उपयोग में रहे, तो यह दोनों आयोजन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय खोल सकते हैं।

स्पष्ट है—2030 राष्ट्रमंडल खेल केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक भविष्य और कूटनीतिक शक्ति का एक विस्तृत परीक्षण हैं। यह वह मोड़ है जहाँ सफलता भारत को विश्व खेल-पटल के केंद्र में स्थापित कर सकती है, और किसी भी प्रकार की विफलता इसे वर्षों पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत को इस यात्रा में संकल्प, सावधानी और दूरदृष्टि- तीनों का संतुलन बनाए रखना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ढलान पर दोस्ती, संजोने की जरूरत है !

हमारी प्रार्थना ही थी- संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवदध्वम् संवो मनांसि जानताम्। अब यह वैश्विक स्तर पर एक विशेष चिंता पैदा करने वाली बात होती जा रही है कि आज की दुनिया के छोटे-बड़े, विकसित-कम विकसित लगभग हर तरह के देशों में आम जनों में मित्रता की प्रवृत्ति में बड़ी तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। अब लोगों को ऐसे क़रीबी दोस्त नहीं मिलते जिन पर भरोसा किया जा सके। सिमटते-सिकुड़ते रिश्तों के दौर में ऐसे मीत और साथी नहीं मिल रहे जिनके साथ खुल कर दुख-दर्द बांटा जा सके, मन हल्का किया जा सके और मौक़ा पड़ने पर पुकारा जा सके।

गिरीश्वर मिश्र

समकालीन ज़िन्दगी में निरंतर बढ़ती वैयक्तिकता के दौर में अतिव्यस्त होता हुआ आज आदमी अपने ही अंदर सिकुड़ता चला जा रहा है।

रिश्तों की उपेक्षा और उनका हाशियाकरण जिस तेजी से हो रहा है वह उस समाज के ताने-बाने को झटका देने वाला साबित हो रहा है जिसमें साथ चलने, साथ बोलने, मन के मिलने और साझे में विचरने पर जोर दिया जाता था।

हमारी प्रार्थना ही थी- संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवदध्वम् संवो मनांसि जानताम्। अब यह वैश्विक स्तर पर एक विशेष चिंता पैदा करने वाली बात होती जा रही है कि आज की दुनिया के छोटे-बड़े, विकसित-कम विकसित लगभग हर तरह के देशों में आम जनों में मित्रता की प्रवृत्ति में बड़ी तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। अब लोगों को ऐसे क़रीबी दोस्त नहीं मिलते जिन पर भरोसा किया जा सके। सिमटते-सिकुड़ते रिश्तों के दौर में ऐसे मीत और साथी नहीं मिल रहे जिनके साथ खुल कर दुख-दर्द बांटा जा सके, मन हल्का किया जा सके और मौक़ा पड़ने पर पुकारा जा सके।

मित्रता स्वभाव से सहयोगी हुआ करती थी और एक मित्र दूसरे की उन्नति की कामना करता था। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में मित्रता की जगह लोगों में अपनी निजी सामर्थ्य, शक्ति और समृद्धि को अधिकाधिक पर्याप्त बनाने और उसमें सुख ढूँढने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। थोड़े समय तक तो जीने का यह तरीका सही और ठीक लगता है पर ज़िन्दगी की लंबी दौड़ में थोड़े दिनों में ही इसकी पोल खुलने लगती है। आत्मरति की मृग-मरीचिका कदापि अंतहीन नहीं होती है और उसका तिलस्म टूटने पर आदमी को आगे कोई राह नहीं सूझती है।

अब शहरी इलाकों में लोगों को अपने परिचित लोगों की संख्या देखें तो लगता है वह खूब बढ़ रही है। मोबाइल पर 'कांटैक्ट' तो निरंतर बढ़ते रहते हैं। यानी हम जिन लोगों के संपर्क में रहते हैं उनकी तादाद बढ़ती जा रही है। परंतु उनमें से ज्यादातर ऐसे ही होते हैं जिनके साथ क्षणिक रिश्ता होता है। गहरी, टिकाऊ और सच्ची दोस्ती जो ज़िन्दगी में मददगार होती है कम होती जा रही है। कभी लोग विभिन्न आयोजनों और क्लब या होटल आदि में भी परिचित लोगों से भी लोग खुशी से मिलते-जुलते थे पर अब हालात ये हो रहे हैं कि भीड़ में भी लोग अलग-थलग और अकेले ही रहते हैं। अब लोग अकेले ही खाना-पीना पसंद करते हैं। मित्रता के अभाव में ज़िन्दगी अंदर से खोखली और सतह पर भरी-पूरी दिखती है।

स्थिति इतनी नाजुक हो रही है कि दोस्ती अब सिर्फ एक सामाजिक मुद्दा नहीं रहा। वह एक विकट सांस्कृतिक समस्या का रूप ले रहा है। सच्ची बात तो यह है कि दोस्ती के लिए समय निकालना अब विलासिता नहीं बल्कि एक ख़ास ज़रूरत हो चुकी है। आज की कटु सच्चाई है कि अकेलापन एक लत बनता जा रहा है। अगर हम दोस्ती की कद्र नहीं करेंगे और उसमें निवेश नहीं करेंगे तो हम न सिर्फ़ नए दोस्त बना सकेंगे, बल्कि पुराने रिश्ते भी खो देंगे। अनेक शोध अध्ययन यह दिखाते हैं कि अकेलेपन से कई बीमारियां और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा हो रही हैं। वे हृदय रोग और अवसाद को बढ़ाती हैं। उनसे आदमी की असमय मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है।

मित्रता मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए एक आधारभूत आवश्यकता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक 80-वर्षों से चल रहे एक दीर्घकालिक अनुसंधान को मानें तो आदमी के लिए सच्ची खुशी और स्वास्थ्य के बीच बड़ा घनिष्ठ संबंध है। जिंदगी की सच्चाई यही है कि रूपया-पैसा कमाया जा सकता है, रुतबा भी बदला जा सकता है लेकिन सच्चा दोस्त ही अकेला ऐसा होता है जो परिवार का रक्त संबंधी न होते हुए भी जीवन की हर परिस्थिति और चुनौती में आपके साथ चट्टान की तरह अटल खड़ा होता है। दोस्ती सचमुच ही एक ऐसा धन या खजाना है जो कभी चुकता या खत्म नहीं होता।

इसलिए सिर्फ़ जान-पहचान से संतुष्ट न हों- दोस्त बनायें और दोस्तों को आवश्यक प्रतिष्ठा और इज्ज़त दें । अच्छे दोस्त ही हमारे असली धन होते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम सब दोस्ती को बढ़ावा दें, उसके लिए समय निकालें, लोगों को क्षमा करने की आदत डालें और रिश्तों की यादें बनाएं। दोस्ती एक अवसर है जिसको बनाना बिगाड़ना हमारे ही हाथ में होता है। सच्चे दोस्तों के संग हमारी ज़िंदगी निश्चय ही खूबसूरत हो उठती है। आइए जिंदगी में दोस्ती को जगह दें। दोस्ती से जिंदगी को संवारा जा सकेगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

रक्षा खरीददार से रक्षा साझेदार बन गया भारत, India-Russia के नये समझौतों को लेकर दुनियाभर में बेचैनी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने ऊर्जा, रक्षा, परमाणु सहयोग, आतंकवाद-रोधी रणनीति और आर्थिक साझेदारी जैसे अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दी है। यह यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बढ़ा रहा था। इस पृष्ठभूमि में पुतिन का संदेश स्पष्ट था कि रूस भारत के लिए ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत बना हुआ है और बना रहेगा।

हम आपको बता दें कि मोदी और पुतिन की संयुक्त प्रेस वार्ता में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आवश्यक तेल, गैस और कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और गैस भंडार वाला देश है और पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि पारंपरिक ऊर्जा से आगे बढ़कर दोनों देश परमाणु ऊर्जा में भी सहयोग बढ़ाएँगे जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट तथा चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में परमाणु तकनीकों का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारत और रूस ने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और भारत में एक दूसरे परमाणु संयंत्र स्थल पर चर्चा आगे बढ़ाई। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में निर्णायक योगदान देगा।इसके अलावा, इस यात्रा की सबसे रणनीतिक उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में संयुक्त निर्माण को बढ़ावा देना रही। रूस ने भारत में ही अपने हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म्स के स्पेयर पार्ट्स और उपकरणों का उत्पादन करने पर सहमति दी। दोनों पक्षों ने उन्नत रक्षा प्रणाली के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन को पुनर्जीवित करने का निर्णय भी लिया। भारतीय सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए संयुक्त उद्यमों से तीसरे देशों को निर्यात की संभावना भी टटोली गई। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब रूस ने स्पष्ट रूप से Make in India के तहत अपने रक्षा परिवेश को भारत में शिफ्ट करने की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में काफी समय लगता है, जिससे देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का रखरखाव प्रभावित होता है। इस संबंध में भारत और रूस द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूसी हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए पुर्जों, घटकों और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए।'' संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्ष भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने तथा पारस्परिक रूप से मित्रवत तीसरे देशों को निर्यात करने पर भी सहमत हुए। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत-रूस रक्षा साझेदारी को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए पुनः शुरू किया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस से एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेपों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई।

इसके अलावा, भारत-रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाज़ार पहुँच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचाया जाए। साथ ही INSTC कॉरिडोर जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी प्रगति का संकेत मिला।

साथ ही दोनों देशों ने पहलगाम और मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए हमलों का संदर्भ लेते हुए आईएसआईएस, आईएसकेपी और अन्य वैश्विक आतंकी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ''ज़ीरो टॉलरेंस'' नीति और ''दोहरे मानदंडों को अस्वीकार'' करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा, पुतिन ने भारत-रूस मैत्री को ''साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे'' जैसे भारतीय कथन से अभिव्यक्ति दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से दिये गये राजकीय भोज में भारतीय-रूसी संगीत और विविध व्यंजनों ने सांस्कृतिक जुड़ाव को भी प्रकट किया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई कश्मीरी केसर, असम की चाय और गीता जैसी भेंटें इस साझेदारी की भावनात्मक गहराई को दर्शाती हैं।

देखा जाये तो रूसी राष्ट्रपति की यह यात्रा दर्शाती है कि भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला नहीं बल्कि सह-निर्माण और सह-विकास करने वाला रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके तीन प्रमुख पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। पहला है रक्षा सहयोग का बदलता स्वरूप। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध से लेकर 2010 तक भारत-रूस रक्षा संबंध मुख्यतः उपकरण खरीद तक सीमित थे। इससे दो समस्याएँ जन्म लेती थीं। पहली थी स्पेयर पार्ट्स की देर से आपूर्ति और दूसरी थी तकनीकी निर्भरता। इस यात्रा के दौरान पुतिन का यह कहना कि रूस का यह मानना है कि महत्वपूर्ण पुर्जों का उत्पादन भारत में ही होना चाहिए, दोनों देशों के संबंधों में संरचनात्मक बदलाव की घोषणा है। इस बदलाव का अर्थ है लॉजिस्टिक स्वतंत्रता, 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की वास्तविक प्रगति और भारत का रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में नया कदम।

देखा जाये तो रूस का यह झुकाव केवल राजनीतिक सद्भाव का परिणाम नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक भू-राजनीति की जरूरत भी है। रूस को पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भरोसेमंद बाजार चाहिए, वहीं भारत को ऐसी महाशक्ति सहयोगी चाहिए जिसकी तकनीक और रणनीतिक लचीलेपन से उसकी सामरिक क्षमता में वृद्धि हो।

इसके अलावा, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी रक्षा। अमेरिका के दबाव के बीच रूस द्वारा निरंतर आपूर्ति का आश्वासन देने का संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में SMR और फ्लोटिंग प्लांट जैसी भविष्य की तकनीकों पर बातचीत दर्शाती है कि दोनों देश परंपरागत साझेदारी को हाई-टेक सहयोग में बदल रहे हैं। INSTC जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्ग वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा के युग में भारत को एक स्थलीय-समुद्री संतुलन प्रदान करेंगे।

पुतिन की भारत यात्रा के वैश्विक प्रभावों को देखें तो सामने आता है कि यह केवल दो देशों की साझेदारी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का संकेत भी है। जब अमेरिका रूस पर प्रतिबंध बढ़ा रहा है और चीन आक्रामक उभार पर है, तब भारत-रूस समीकरण एक स्थिर धुरी की तरह उभर रहा है। BRICS में 2026 में भारत की अध्यक्षता के साथ यह साझेदारी वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर नए संतुलन बना सकती है। साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो केवल स्ह-30, MiG, या टैंक आयात करे, अब वह निर्माण, सह-विकास और निर्यात की दिशा में बढ़ रहा है।

-नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2025: भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराकर दर्ज की धमाकेदार जीत

एजेंसी

सैंटियागो (चिली)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अपने पूल-सी के अंतिम मुकाबले में आयरलैंड को 4-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। सैंटियागो स्थित सेंत्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेसपेड, एस्तादियो नैसियोनाल में खेले गए इस मुकाबले में पूर्णिमा यादव (42', 58'), कनिका सिवाच (12') और साक्षी राणा (57') ने टीम के लिए गोल किए। भारत ने पहले क्वार्टर में ही आक्रामक खेल दिखाते हुए सिर्फ 12 सेकंड में पहला पेनल्टी कॉर्नर जीता, हालांकि मौका गोल में तब्दील नहीं हो सका। दसवें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी बेनतीजा रहा। लेकिन दो मिनट बाद साक्षी राणा ने सर्कल में खड़ी कनिका सिवाच (12') को बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने आयरलैंड की गोलकीपर को चकमा देकर गेंद को गोल में डालते हुए भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने दबदबा बनाए रखा और 17वें व 23वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आयरलैंड की गोलकीपर लूसी मैकगोल्ड्रिक ने शानदार बचाव किए। 28वें मिनट में भारत को पांचवां पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम इसे भी भुना नहीं सकी। हाफ टाइम तक भारत 1-0 की बढ़त के साथ मैदान से बाहर गया।

आईएमएपीएल सीजन-7 का गंगाशील स्टेडियम में शुभारंभ 6 दिसंबर को

बरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) बरेली द्वारा आयोजित आईएमए प्रीमियर लीग सीजन-7 का शुभारंभ 6 दिसंबर को सुबह 8 बजे गंगाशील आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज स्टेडियम में होगा। डॉक्टरों के इस वार्षिक खेल महाकुंभ में दो दिनों तक खेल और रोमांच का शानदार संगम देखने को मिलेगा। इस बार कुल 24 टीमें मैदान में मुकाबला करने उतरेंगी, जिनमें 4 महिला टीमें, 2 बच्चों की टीमें और 2 सीनियर डॉक्टरों की टीमें भी शामिल हैं। आईएमए बरेली के अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव, सचिव डॉ. अंशु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. शालिनी महेश्वरी, सीजन-7 के चेयरमैन डॉ. आरपी सिंह और सचिव डॉ. अंकित गुप्ता आयोजन की तैयारियों में पूरी तरह सक्रिय हैं। स्टेडियम में डॉक्टर खिलाड़ियों का जोश और खेल कौशल देखने के लिए परिवार और दर्शकों में भी उत्साह बना हुआ है।

अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट : सी एंड डब्लू टीम व इंजीनियरिंग विभाग की टीम जीती

मुरादाबाद। रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद में आयोजित अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम दिवस पर आज दो मैचों का आयोजन किया गया। प्रथम पाली का मैच सी एंड डब्लू एवं ब्रिज के मध्य तथा द्वितीय पाली का मैच इंजीनियरिंग एवं विद्युत-टीआरडी के मध्य खेला गया। जिसमें सी एंड डब्लू टीम व इंजीनियरिंग विभाग की टीम विजेता रही। उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक फ्रेट ऋचा शर्मा ने बताया कि आज से रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद में अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ। क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम दिवस पर पहली पाली में सी एंड डब्लू एवं ब्रिज के मध्य मैच खेला गया। सी एंड डब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अनूप लखेड़ा की कप्तानी में पूरे 20 ओवर खेलते हुए 04 विकेट के नुकसान पर कुल 190 रन बनाए। ब्रिज विभाग की टीम ने बल्लबाजी करते हुए 15.1ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाए। सी एंड डब्लू टीम ने 101 रन से विजय प्राप्त की। सी एंड डब्लू टीम के रफी हुसैन मेन ऑफ द मैच रहे। आज द्वितीय पाली का मैच इंजीनियरिंग एवं विद्युत-टीआरडी के मध्य खेला गया। विद्युत-टीआरडी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निश्चय किया। विद्युत-टीआरडी ने कुल 18.2 ओवर में 09 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। मैदान में बल्लेबाजी के लिए उतरी इंजीनियरिंग विभाग की टीम कुल 15.5 ओवर में 04 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मैच मे विजयी रही ।

अलीगढ़ के अरबाज बने राज्य स्नूकर चैंपियन

प्रयागराज। अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज ने लखनऊ के पूर्व राज्य चैम्पियन आयुष मित्तल को 5-3 से हराकर राजा राम कुमार भार्गव स्मृति उत्तर प्रदेश राज्य बिलियर्ड्स और स्नूकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। अरबाज ने लगातार दूसरे साल यह खिताब जीता। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में बिशप जॉर्ज स्कूल और कॉलेज में शुक्रवार को सम्पन्न हुई प्रतियोगिता के फाइनल मैच में गत विजेता अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज ने पहले फ्रेम में 66-19 की बढ़त बना ली। आयुष ने दूसरे फ्रेम में अच्छी वापसी 83-6 से जीता। इसके बाद तीसरे और चौथे फ्रेम में 81-39 और 57-39 से जीत दर्ज करके 3-1 की बढ़त बना ली। अरबाज ने पांचवें फ्रेम में रक्षात्मक और आक्रामण का मिश्रण करते हुए 61-18 से, छठवां फ्रेम 55-47 से जीतकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। सातवां फ्रेम 88-47 से और आठवां फ्रेम 61-53 से जीतकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इससे पूर्व खेले गये पहले सेमीफाइनल म मोहम्मद अरबाज़ ने विनायक अग्रवाल को 4-2 से हराया और दूसरे सेमीफाइनल में आयुष मित्तल ने अक्षय कुमार को 4-2 से हराया।

जस्टिन ग्रेव्स के नाबाद 202 ने क्राइस्टचर्च टेस्ट में वेस्टइंडीज को दिलाया चमत्कारिक ड्रॉ

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। क्राइस्टचर्च में खेला गया यह टेस्ट मैच उन दुर्लभ मुकाबलों में से रहा जो सामान्य शुरुआत के बाद निराशा में बदलते हैं और फिर अंत में चमत्कार तथा अदम्य जज्बे की मिसाल बन जाते हैं। अंतिम दिन जस्टिन ग्रेव्स ने नाबाद 202 रन की ऐतिहासिक पारी खेली—एक ऐसी पारी जो शुरुआत में बचाव थी और अंत में हार से इनकार। वेस्टइंडीज, जो पहले पहली पारी में 100/2 से ढहकर 167 रन पर ऑल आउट हो गई थी और जिसे दूसरी पारी में 530 रन का लक्ष्य या दो दिन बल्लेबाजी की चुनौती मिली, उसने सभी उम्मीदों के विपरीत यह मैच ड्रॉ करा लिया। नंबर 8 बैटर केमार रोच के साथ ग्रेव्स ने अंतिम दिन 409 गेंदों की अटूट साझेदारी (180 रन) की—यह सातवें विकेट के लिए विश्व रिकॉर्ड साझेदारी है,

जिसने 35 साल पुराना तेंदुलकर-प्रभाकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 163.3 ओवर तक चली—1930 के बाद से उनकी सबसे लंबी चौथी पारी। टीम का 457/6 का स्कोर किसी भी समय-सीमा वाले टेस्ट में चौथी पारी में बनाया गया सबसे बड़ा कुल योग है।

शाई होप की जुझारू 140 रन की पारी: ग्रेव्स को बड़ा सहयोग मिला शाई होप से, जिन्होंने आंख के संक्रमण से जूझते हुए 140 रन बनाए। दोनों ने मिलकर 196 रन की साझेदारी की और मैच को बचाने की मजबूत नींव रखी।

न्यूजीलैंड का संघर्ष और किस्मत का खेल: न्यूजीलैंड के लिए हालात मुश्किल तब हुए जब उनके दो मुख्य तेज गेंदबाज़—मैट हेनरी और नाथन स्मिथ—चोटिल होकर बाहर हो गए। तीनों DRS समीक्षाएं भी अंतिम सत्र से पहले समाप्त हो चुकी थीं, जिससे कुछ करीबी अपीलों पर वे असहाय नज़र आए। ऑफ स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने 55 ओवर फेंके और दो बार रोच को आउट करने के करीब आए, लेकिन किस्मत उनके साथ नहीं थी।

जब वेस्टइंडीज 398/6 पर थी और 132 रन 33 ओवर में चाहिए थे, तो कुछ पलों के लिए जीत भी संभव लगने लगी। लेकिन ग्रेव्स और रोच ने जोखिम लेने के बजाय समझदारी से डटकर बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड को थका दिया।

संक्षिप्त स्कोर

न्यूजीलैंड: 231 × 466/8 घोषित

वेस्टइंडीज: 167 × 457/6 (जस्टिन ग्रेव्स 202, शाई होप 140, केमार रोच 58; जैकब डफी 3/122**)

मैच परिणाम: ड्रॉ

यह टेस्ट वेस्टइंडीज की जुझारू बल्लेबाजी, धैर्य और विश्वास की ऐसी मिसाल बन गया जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा।

अबू धाबी नाइट राइडर्स ने आंद्रे रसेल को 500 टी20 विकेट पूरे करने पर किया सम्मानित

एजेंसी

प्रयागराज। लखनऊ के आयुष मित्तल और अक्षय, प्रयागराज के विनायक अग्रवाल और अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में खेले गये पहले क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के आयुष मित्तल ने कानपुर के ज़ैब नदीम को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। जैब ने पहला फ्रेम 60-43 से फ्रेम जीतकर 1-0 की बढ़त ले ली थी। आयुष ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा फ्रेम 68-10 से जीता। आयुष ने तीसरे फ्रेम में अपना दबदबा बनाए रखा और इसे 82-7 से जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली। चौथा फ्रेम 52-38 और पांचवां फ्रेम 88-14 से जीतकर आयुष ने अंतिम चार में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के पूर्व स्टेट चैम्पियन अक्षय ने कानपुर के खान मफाज को 4-1 से हराया। पहले तीन फ्रेम अक्षय ने 77-42, 78-42, 50-42 से जीतकर 3-0 की बढ़त बना ली।

रोनाल्डो, टोटी और स्टोइचकोव करेंगे फीफा विश्व कप 2026 के अपडेटेड शेड्यूल का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा – फुटबॉल की वैश्विक शासी संस्था – फीफा विश्व कप 2026 का अपडेटेड शेड्यूल जारी करेगी, जिसमें ब्राज़ील के महान फुटबॉलर रोनाल्डो विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोनाल्डो, जिन्होंने 1994 और 2002 में विश्व कप जीता था, के साथ इटली और रोमा के दिग्गज फ्रांसेस्को टोटी (2006 विश्व कप विजेता) और 1994 बैलन डी'ओर विजेता ह्रिस्टो स्टोइचकोव भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

यह अपडेटेड शेड्यूल हाल ही में वॉशिंगटन डीसी में हुए समूह चरण ड्रॉ के बाद जारी किया जा रहा है। अभी छह टीमें क्वालीफाई नहीं कर पाई हैं, जिन्हें फिलहाल प्लेसहोल्डर के रूप में शामिल किया गया है। कार्यक्रम में फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो के साथ पूर्व अमेरिकी डिफेंडर और नेशनल सॉकर हॉल ऑफ फेमर एलेक्सी लालास भी शामिल होंगे। अंतिम मैच शेड्यूल मार्च में जारी किया जाएगा, जब फीफा और यूरोपियन प्ले-ऑफ टूर्नामेंट पूरे हो जाएंगे और अंतिम छह

स्लॉट भर दिए जाएंगे। फीफा विश्व कप 2026, 11 जून से 19 जुलाई के बीच कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के 16 शहरों में खेला जाएगा। इनमें शामिल हैं –

अमेरिका: अटलांटा, बोस्टन, डलास, ह्यूस्टन, कान्सास सिटी, लॉस एंजिलिस, मियामी, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल

मैक्सिको: ग्वाडलाहारा, मेक्सिको सिटी, मॉन्टेरी

कनाडा: टोरंटो, वैंकूवर

फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईएसएसएफ पीपल्स चॉइस मेन्स एथलीट ऑफ द ईयर 2025 चुने गए ज़ोरावर सिंह संधू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज़ ज़ोरावर सिंह संधू को दोहा, क़तर में आयोजित मतदान में आईएसएसएफ पीपल्स चॉइस मेन्स एथलीट ऑफ द ईयर 2025 चुना गया। ज़ोरावर ने इस वर्ष एथेंस में आयोजित शॉटगन विश्व चैम्पियनशिप में ट्रैप इवेंट में कांस्य पदक जीता था, जो उनके करियर का 18 वर्षों बाद पहला व्यक्तिगत पोडियम था। 48 वर्षीय ज़ोरावर का यह पदक भारत के लिए इस इवेंट में तीसरा व्यक्तिगत विश्व चैम्पियनशिप पदक है। उनसे पहले मनवजीत सिंह संधू (गोल्ड, 2006) और करणी सिंह (सिल्वर, 1962) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। 2023 के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ज़ोरावर ने इस वैश्विक मतदान में अपने ही साथी और पूर्व विश्व चैम्पियन रुद्रांक्ष पाटिल को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान अपने नाम किया। महिला वर्ग में जिनेट हेग डुएस्टाड, जो 50 मीटर राइफल 3 पोज़िशन्स की मौजूदा विश्व चैम्पियन हैं, ने वुमेन्स राइफल एथलीट ऑफ द ईयर और पीपल्स चॉइस वुमेन्स

एथलीट अवॉर्ड दोनों जीते। वहीं उनके साथी जॉन-हरमन हेग को मेन्स राइफल एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया।

आईएसएसएफ एथलीट ऑफ द ईयर 2025: विजेताओं की सूची

मेन्स राइफल एथलीट ऑफ द ईयर: जॉन-हरमन हेग (नॉर्वे)

वुमेन्स राइफल एथलीट ऑफ द ईयर: जिनेट हेग डुएस्टाड (नॉर्वे)

मेन्स पिस्टल एथलीट ऑफ द ईयर: हू काई (चीन)

वुमेन्स पिस्टल एथलीट ऑफ द ईयर: सन युजी (चीन)

मेन्स शॉटगन एथलीट ऑफ द ईयर: विंसेंट हैनकॉक (अमेरिका)

वुमेन्स शॉटगन एथलीट ऑफ द ईयर: सामंथा सिमॉन्टन (अमेरिका)

पीपल्स चॉइस मेन्स एथलीट ऑफ द ईयर: ज़ोरावर सिंह संधू (भारत)

फीफा विश्व कप 2026 ड्रॉ घोषित: उद्घाटन मैच में मैक्सिको का सामना दक्षिण अफ्रीका से

एजेंसी

वॉशिंगटन। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ जॉन एफ. कैनेडी सेंटर में संपन्न हुआ, जिससे फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के पहले 48 टीमों वाले संस्करण की तस्वीर साफ हो गई। कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले इस महाकुंभ में नए ग्रुप प्रारूप और रिकॉर्ड संख्या में मैच खेले जाएंगे।

ड्रॉ के दौरान कई रोमांचक मुकाबलों की रूपरेखा सामने आई। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के युग के बाद किलियन एमबापे और एर्लिंग हालांड फुटबॉल के नए सुपरस्टार बन चुके हैं। उनकी टीमें–फ्रांस और नॉर्वे–को ग्रुप ढ्ढ में एक-दूसरे के सामने रखा गया है। अफ्रीकी दिग्गज सेनेगल भी इसी ग्रुप में है। यूरोपीय प्ले-ऑफ (यूक्रेन/स्वीडन/पोलैंड/अल्बानिया) का विजेता इस समूह को और भी कठिन बना देगा, जिसे विशेषज्ञ पहले ही 'ग्रुप ऑफ डेथ' कह रहे हैं। पिछले विश्व कप में चौंकाने वाला प्रदर्शन करने वाले मोरक्को को ग्रुप ष्ट में पांच बार के चैंपियन ब्राज़ील के साथ रखा गया है। इससे स्कॉटलैंड और हैती पर दबाव और बढ़ गया है।

इंग्लैंड और क्रोएशिया, दोनों खिताब के प्रबल दावेदार, ग्रुप रु में आमने-सामने होंगे। वहीं घाना और पनामा के लिए यह ग्रुप बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। अगर इटली यूरोपीय प्ले-ऑफ से क्वालिफाई करता है, तो वह ग्रुप क़ में कनाडा, क़तर और स्विट्ज़रलैंड के साथ शामिल होगा–एक ऐसा ग्रुप, जिसमें कौन आगे बढ़ेगा इस पर अंतिम अनुमान लगाना कठिन है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मेजबान धरती पर खेला जाएगा। दक्षिण कोरिया भी ग्रुप में है, साथ ही डेनमार्क/नॉर्थ मैसिडोनिया/चेक गणराज्य/आयरलैंड के बीच होने वाले यूरोपीय प्ले-ऑफ का विजेता भी इसी ग्रुप में शामिल होगा।

पूरा ड्रॉ इस प्रकार है:

ग्रुप A: मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता D

ग्रुप B: कनाडा, स्विट्ज़रलैंड, क़तर, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता

ग्रुप C: ब्राज़ील, मोरक्को, स्कॉटलैंड, हैती

ग्रुप D: संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता C

ग्रुप E: जर्मनी, कुराकाओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप F: नीदरलैंड्स, जापान, ट्यूनीशिया, यूरोपीय प्ले-ऑफ विजेता B

ग्रुप G: बेल्जियम, ईरान, मिस्र, न्यूज़ीलैंड

ग्रुप H: स्पेन, उरुग्वे, सऊदी अरब, केप वर्डे

ग्रुप I: फ्रांस, सेनेगल, नॉर्वे, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (बोलीविया/सूरीनाम/इराक)

ग्रुप J: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, अल्जीरिया, जॉर्डन

ग्रुप K: पुर्तगाल, कोलंबिया, उज़्बेकिस्तान, फीफा प्ले-ऑफ विजेता (न्यू कैलेडोनिया/जमैका/कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य)

वर्ल्ड कप विजेता महिला क्रिकेटर स्नेहा राणा को रेलवे ने ग्रुप बी में किया प्रमोट

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) रिचा शर्मा ने बताया कि हाल ही में महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा रही सीसीटीएस देहरादून स्नेहा राणा को ग्रुप बी में प्रमोट किया गया है। इसके साथ ही स्नेहा राणा को ओएसडी/स्पोर्ट्स के तौर पर नियुक्त किया गया है। इस मौके पर, मुरादाबाद में डिवीज़नल आफिस में डिवीज़नल रेलवे मैनेजर संग्रह मौर्य ने उन्हें किया और बधाई दी गई।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने लगातार दूसरी बार जीता खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का खिताब

एजेंसी

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 के अंतिम दिन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग में शानदार प्रदर्शन के दम पर लगातार दूसरा समग्र खिताब जीत लिया। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कुल 67 पदक जीते, जिनमें 42 स्वर्ण, 14 रजत और 11 कांस्य शामिल हैं।लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने 32 स्वर्ण, 25 रजत और 22 कांस्य सहित कुल 78 पदक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रही।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 32 स्वर्ण, 22 रजत और 18 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर रही। रंगारंग समापन समारोह में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा और राज्य के युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने उपस्थिति दर्ज कराई।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग में 30 में से 23 स्वर्ण जीते। इसके अलावा छह स्वर्ण तैराकी में, पांच एथलेटिक्स में, दो कुश्ती में और भारोत्तोलन, शूटिंग, साइक्लिंग, तीरंदाजी, टेबल टेनिस और कबड्डी में एक-एक स्वर्ण अपने नाम किया। 12-दिनों की इस मेगा प्रतियोगिता में एथलेटिक्स में कुल 12 नए मीट रिकॉर्ड बने, जिनमें दो अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड भी शामिल हैं।

ओलंपियन और भारत के शीर्ष तैराक श्रीहरि नटराज ने 9 स्वर्ण और 2 रजत जीतकर अपने आप को केआईयूजी 2025 का सबसे सफल खिलाड़ी साबित किया। उनकी बदौलत जैन यूनिवर्सिटी ने 27 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य पदक हासिल कर कुल मिलाकर चौथा स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में अपने संबोधन में रक्षा खडसे ने कहा कि केआईयूजी न सिर्फ प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को एक-दूसरे के सांस्कृतिक विविधताओं को समझने का अवसर भी देता है। उन्होंने कहा, 'जीत-हार से परे, हर राज्य के खिलाड़ियों ने यहां भाग लिया, यही इन खेलों की सबसे बड़ी उपलब्धि है। खेल ही वह माध्यम है जो हमें एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और ऊर्जा को समझने में मदद करता है।' उन्होंने आगे कहा कि खेल आज विश्व मंच पर भारत की 'सॉफ्ट पावर' हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं कि भारत का भविष्य हमारे युवा हैं। खेल युवा पीढ़ी को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। जो खिलाड़ी पदक नहीं जीत पाए, उनका भी यहां पहुंचना अपने आप में एक नई शुरुआत है। ' अंतिम दिन 28 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जिनमें से 24 मुक्केबाज़ी में थे। एलपीयू ने मुक्केबाज़ी में दो स्वर्ण और कबड्डी में एक स्वर्ण जीतकर उपविजेता स्थान अपने नाम किया। गुरु काशी यूनिवर्सिटी ने मुक्केबाज़ी में चार स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य जीतकर कुल तालिका में पांचवें स्थान पर छलांग लगाई।

एनबीए: केविन ड्यूरेंट 31,000 अंक तक पहुंचने वाले आठवें खिलाड़ी बने, रॉकेट्स ने सन्स को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। ह्यूस्टन रॉकेट्स के स्टार केविन ड्यूरेंट ने फीनिक्स सन्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 28 अंक जोड़ते हुए एनबीए इतिहास में 31,000 करियर पॉइंट्स पूरे करने वाले आठवें खिलाड़ी बनकर नया माइलस्टोन हासिल किया। रॉकेट्स ने यह मुकाबला 117-98 से अपने नाम किया।

ड्यूरेंट ने यह उपलब्धि अपने पूर्व टीम सन्स के खिलाफ हासिल की। यह मैच उनके लिए खास इसलिए भी रहा क्योंकि वह सात-टीमों के ब्लॉकबस्टर ट्रेड के बाद पहली बार अपने पुराने साथियों के सामने उतरे थे। ड्यूरेंट 24 नवंबर को फीनिक्स में हुए मुकाबले में व्यक्तिगत कारणों से नहीं खेल पाए थे, जिसे ह्यूस्टन ने 114-92 से जीता था।रॉकेट्स की ओर से अमेन

थॉम्पसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीजन के अपने सर्वाधिक 31 अंक बनाए और टीम को छह मैचों में पांचवीं जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनबीए इतिहास में 31,000 करियर पॉइंट्स पूरे करने वाले 8 खिलाड़ी:विल्ट चैम्बरलेन, करीम अब्दुल-जब्बार, माइकल जॉर्डन, कार्ल मेलोन, कोबी ब्रायंट, डिर्क नोविट्ज़की, लेब्रॉन जेम्स, केविन ड्यूरेंट*।

फखर जमान आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन के दोषी, लगा मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर ज़मान को 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए त्रि-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। आईसीसी ने उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। ज़मान ने आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असहमति जताने से संबंधित है। यह पिछले 24 महीनों में उनका पहला अपराध है, जिसके चलते उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब आउट दिए जाने के बाद ज़मान ने ऑन-फील्ड अंपायरों से लंबे समय तक बहस की। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली और रेफरी रिओन किंग द्वारा प्रस्तावित सज़ा मान ली, जिसके चलते किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर अहसान रज़ा, आसिफ याकूब, तीसरे अंपायर रशीद रियाज़ और चौथे अंपायर फैसल अफरीदी ने लगाया था। गौरतलब है कि लेवल 1 उल्लंघन में खिलाड़ी को आधिकारिक चेतावनी से लेकर अधिकतम 50 फीसदी मैच फीस जुर्माने तक की सज़ा मिल सकती है।

एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप 2025: भारत सेमीफाइनल में, बेल्जियम को शूटआउट में 4-3 से हराया

एजेंसी

चेन्नई। एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप 2025 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए बेल्जियम को शूटआउट में 4-3 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तय समय तक दोनों टीमों के बीच स्कोर 2-2 से बराबर रहा, जिसके बाद शूटआउट का सहारा लिया गया। चेन्नई के एग्मोर में खेले गए इस मुकाबले में भारत के गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह नायक साबित हुए, जिन्होंने शूटआउट में शानदार बचाव किए और अपने मेंटर पूर्व भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश की झलक दिखाई।प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए प्रिंसदीप ने नियमित समय में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और विशेष रूप से तीसरे क्वार्टर में बेल्जियम के लगातार पेनल्टी कॉर्नर को नाकाम किया।

उन्होंने मैच केबाद कहा, 'श्रीजेश से बहुत कुछ सीखा है। उन्हें देखकर आत्मविश्वास बढ़ा है। चेन्नई की भीड़ से मिला समर्थन अद्भुत रहा। ' शूटआउट में शारदा नंद तिवारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन बार सफल स्ट्रोक लगाए, जबकि अंकित पाल ने निर्णायक स्ट्रोक डालकर

स्कोर 4-3 किया और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया।

मैच का विवरण

भारत ने धैर्य के साथ खेल की शुरुआत की। हालांकि, 13वें मिनट में बेल्जियम को गास्पार्ड कॉर्नेज़-मासां के फील्ड गोल से बढ़त मिल गई। दूसरे क्वार्टर में बेल्जियम की मजबूत रक्षापंक्ति ने भारत के प्रयासों को लगातार विफल किया।

हाफ टाइम के बाद भारतीय टीम पूरी ऊर्जा के साथ मैदान पर उतरी। तीसरा क्वार्टर भारत के नाम रहा। 45वें मिनट में कप्तान रोहित ने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल दागकर स्कोर 1-1 किया। इसके बाद 48वें मिनट में शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी, जिस पर पूरे स्टेडियम में जश्न फैल गया। हालांकि, मुकाबले के अंतिम पलों में 59वें मिनट में बेल्जियम के नाथन रोगे ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया और मैच शूटआउट में पहुंच गया। शूटआउट में प्रिंसदीप के शानदार बचाव और भारतीय स्ट्राइकरों की सटीक फिनिशिंग ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। भारत अब 7 दिसंबर 2025 को सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन जर्मनी से भिड़ेगा।

गेहूं मजबूत; चीनी नरम; चावल में टिकाव; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव अपरिवर्तित रहे। गेहूं के दाम बढ़ गये जबकि चीनी के फिसल गये। वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,860.67 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,853.44 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा सात रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में उड़द दाल पांच रुपये और तुअर दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल सात रुपये महंगा हुआ। मसूर दाल की कीमत तीन रुपये और मसूर दाल की दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 47 रिंगिट चढ़कर 4,152 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.18 प्रतिशत की बढ़त में 52.40 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल औसतन 27 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। अन्य तेलों में नरमी रही। मूंगफली तेल 14 रुपये और पाम ऑयल 10 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत आठ रुपये और सरसों तेल की पांच रुपये घट गयी। वनस्पति तीन रुपये प्रति क्विंटल टूट गया।

आरबीआई 11 और 18 दिसंबर को खरीदेगा सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई। बैंकिंग तंत्र में तरलता यानी नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 11 और 18 दिसंबर को दो बार में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगा।आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद जारी बयान में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि इसके अलावा केंद्रीय बैंक डॉलर/रुपया खरीद/बिक्री स्वैप के तहत वाणिज्यिक बैंकों से तीन साल के लिए पांच अरब डॉलर खरीदेगा। केंद्रीय बैंक ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह 11 दिसंबर को 50,000 करोड़ रुपये और 18 दिसंबर को 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदेगा। उसने बताया कि डॉलर/रुपया स्वैप 16 दिसंबर को किया जायेगा। विज्ञप्ति में बताया गया है कि तरलता और वित्तीय परिस्थितियों की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने यह फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि रिजर्व बैंक आने वाले समय में तरलता और बाजार की परिस्थितियों की समीक्षा जारी रखेगा और तदनुसार आवश्यक कदम उठायेगा।

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी को फ्लाई एश का शत-प्रतिशत उपयोग करने में मिली बड़ी सफलता

भोपाल। मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुरूप उत्सर्जित फ्लाई एश (पावर हाउस से निकलने वाली राख) के 100 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा में विश्व की अग्रणी सीमेंट कंपनी हाइडलबर्ग के साथ भूमि उपयोग अनुमति अनुबंध (एलयूपीए) हस्ताक्षरित किया है। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने उक्त जानकारी दी। जनसम्पर्क अधिकारी पाण्डेय ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह, डायरेक्टरद्वय सुबोध निगम व मिलिन्द भान्दक्कर, मुख्य अभियंता (संचारण-संधारणः उत्पादन) अभिषेक जैन के मार्गदर्शन में यह अनुबंध श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता जेसी जुनवाल की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुआ। अनुबंध पर पावर जनरेटिंग कंपनी की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके कोरी और हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड की ओर से सुमित बिसारिया ने हस्ताक्षर किए। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार अनुबंध 25 वर्ष की अवधि के लिए भूमि उपयोग अनुमति के लिए किया गया है। अनुबंध के अंतर्गत हाइडेलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना परिसर में एक सीमेंट क्लिंकर ग्राइंडिंग यूनिट की स्थापना करेगी। इस यूनिट की लागत 325 करोड़ रुपये है।

भारत का मीडिया-मनोरंजन बाजार 2029 तक 47 अरब डॉलर का होगा

नई दिल्ली। घरेलू मनोरंजन और मीडिया उद्योग का आकार 2029 तक बढ़कर 47.2 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 32.2 अरब डॉलर था। आने वाले चार वर्षों में इसके 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है जो कि वैश्विक औसत 4.2 प्रतिशत से दोगुना है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि की वजह डिजिटल भागीदारी का बढ़ना और डिजिटल की पहुंच में विस्तार होना व ऑनलाइन सामग्री की अधिक खपत होना है। इन कारकों से सभी फॉर्मेट्स में दर्शकों का व्यवहार बदल रहा है और प्लेटफॉर्म्स, विज्ञापनदाताओं और क्रिएटर्स के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं। इंटरनेट विज्ञापन सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। 2029 तक इसका आकार 15.9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 13.06 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 6.25 अरब डॉलर पर था। ओवर-द-टॉप (ओटीटी) आधारित आय 2024 में 2.27 अरब डॉलर से बढ़कर 2029 में 3.47 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसे क्षेत्रीय सामग्री, डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल और बढ़ते ग्राहकों का सपोर्ट मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां टेक्नोलॉजी खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असल में यह बदल रही है ।

भारत-रूस के कृषि मंत्रियों की बैठक में कृषि व्यापार को बढ़ावा देने पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और रूस के कृषि मंत्रियों की आज यहां हुई बैठक में कृषि व्यापार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने मौजूदा सहयोग पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों की रूपरेखा भी तैयार की। मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां कृषि भवन में रुस की कृषि मंत्री ओक्साना लुट के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें दोनों पक्षों ने मौजूदा सहयोग पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की। शिवराज सिंह ने बढ़ते द्विपक्षीय कृषि व्यापार पर प्रकाश डाला, जो वर्तमान में लगभग 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने और अधिक संतुलित व्यापार की आवश्यकता पर बल दिया और भारतीय आलू, अनार और बीजों के

निर्यात से संबंधित लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान के लिए रूस का धन्यवाद किया। कृषि वस्तुओं का व्यापार बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों ने भारत से खाद्यान्न और बागवानी उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं पर भी चर्चा की। बैठक के दौरान, कृषि अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण में सहयोग को मजबूत करने के लिए आईसीएआर और फेडरल सेंटर फॉर एनिमल हेल्थ, रूस के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। शिवराज सिंह ने रूसी पक्ष को अगले वर्ष भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। दोनों देशों ने कृषि व्यापार, उर्वरकों, बीजों, बाज़ार पहुंच और संयुक्त अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई और नवाचार को बढ़ावा देने तथा दोनों देशों के किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रुसी कृषि मंत्री ओक्साना लुट ने कृषि क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने और सहयोग मजबूत करने में गहरी रुचि दिखाई। कृषि मंत्री के अलावा, रूसी प्रतिनिधिमंडल में डिप्टी मिनिस्टर मैक्सिम मार्कोविच, डिप्टी मिनिस्टर मरीना अफोनिना, एफएसवीपीएस के प्रमुख सर्गेई डंकवर्ट और एशिया प्रभाग की निदेशक डारिया कोरोलेवा शामिल थे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 नवंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 28 नवंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रह गया था।आंकड़ों के अनुसार

28 नवंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.57 अरब डॉलर घटकर 557.03 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 1.61 अरब डॉलर बढ़कर 105.79 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा 28 नवंबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 6.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.63 अरब डॉलर रहा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर हो गया।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर दो फीसदी किया

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जीएसटी रेट कटौती और खाद्य कीमतों में तेज गिरावट के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान 2.6 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दर में गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार की वजह से आई है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यहां मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 3 दिवसीय समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि कुल मिलाकर मुद्रास्फीति अक्टूबर महीने में लगाए गए अनुमान से कम रहने की संभावना है। इसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में गिरावट है। मल्होत्रा ने इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित (सीपीआई) खुदरा महंगाई अब दो फीसदी रहने का अनुमान है। उन्होंने इसके तीसरी तिमाही में 0.6 फीसदी और चौथी

तिमाही में 2.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही और दूसरी तिमाही के लिए सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई दर क्रमशः 3.9 फीसदी और 4.0 फीसदी रहने का अनुमान है। महंगाई के परिदृश्य पर संजय मल्होत्रा ने कहा कि उच्च खरीफ उत्पादन, अच्छी रबी बुवाई, जलाशयों के पर्याप्त स्तर एवं मिट्टी में अनुकूल नमी से खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। उन्होंने कहा कि कुछ धातुओं को छोड़कर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिंस की कीमतों में आगे चलकर नरमी आने की संभावना है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव और भी कम है, क्योंकि कीमती धातुओं की कीमत में वृद्धि का प्रभाव लगभग 0.50 फीसदी है, जिसमें जोखिम दोनों ओर समान है। गौरतलब है कि खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में गिरकर 0.25 फीसदी के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई थी, जो मुख्य रूप से सब्जियों, फलों और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी गिरावट और जीएसटी दरों में कटौती के कारण हुई।

कम मुद्रास्फीति के कारण भविष्य में भी रेपो दर में कटौती संभवः मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आने वाले समय में भी मुद्रास्फीति इसी तरह बनी रही तो रेपो दर में और कटौती की संभावना है। आरबीआई ने आज रेपो दर 0.25 प्रतिशत कम करके तत्काल प्रभाव से उसे 5.25 प्रतिशत करने की घोषणा की। कैलेंडर वर्ष 2025 में केंद्रीय बैंक अब तक चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस घोषणा के बाद मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए श्री मल्होत्रा ने कहा, 'आने वाले समय में हम मुद्रास्फीति में नरमी जारी रहने की उम्मीद करते हैं। अभी जो स्थिति है, यदि वह जारी रहती है तो हम रेपो दर और कम होने की उम्मीद कर सकते हैं।' उल्लेखनीय है कि इस साल अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 13 साल के निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर रही थी। आरबीआई के आज जारी मौद्रिक नीति बयान में मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इसके 0.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है जिसके अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बढ़कर 3.9 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में चार प्रतिशत हो जाने की संभावना जतायी गयी है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति का 0.25 प्रतिशत का स्तर अच्छा नहीं है और 'हम चार प्रतिशत को लक्ष्य कर रहे हैं '। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। विशेषकर खाद्य मुद्रास्फीति में बड़ी गिरावट की एक वजह एक साल पहले का इसका ऊंचा स्तर भी है जिसकी वजह से यह जितना है उससे कम दिखता है। बयान में आने वाले समय में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का भविष्य का अनुमान कम रखने के बारे में पूछे जाने पर श्री मल्होत्रा ने कहा कि इसके कई कारण हैं। इसमें कुछ निर्यात पर पड़े असर की वजह से भी है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल, गहने-जवाहरात और श्रिंप का कारोबार प्रभावित हो रहा है, हालांकि जीडीपी में इनकी हिस्सेदारी काफी कम है। उन्होंने कहा कि भारत एक घरेलू उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है और इसलिए मौद्रिक नीति संबंधी फैसले लेते समय जीडीपी और मुद्रास्फीति पर मुख्य फोकस होता है, हालांकि बाहरी कारकों पर भी विचार किया जाता है। रुपये में जारी गिरावट के बारे में उन्होंने कहा कि आरबीआई रुपये में उतार-चढ़ाव में तभी हस्तक्षेप करता है जब असामान्य उतार-चढ़ाव देखा जाता है। उन्होंने कहा कि इस समय भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है और चालू घाटे का घाटा एक प्रतिशत से कम बना हुआ है।

इंडिगो की अव्यवस्था से देशभर में आक्रोश, खंडेलवाल ने तत्काल कार्रवाई करने और फंसे यात्रियों को मुआवजे देने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस इंडिगो की भारी अव्यवस्था ने पूरे देश में तीव्र आक्रोश पैदा कर दिया है। देशभर के अधिकांश हवाई अड्डों पर हजारों यात्रियों को इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से अपमानजनक, तनावपूर्ण और अत्यंत अव्यवस्थित परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन, घंटों की देरी और यात्री प्रबंधन की पूरी तरह नाकामी से जनता में गहरा रोष और तीखी आलोचना देखने को मिली है।

चांदनी चौक के सांसद एवं कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि कैट द्वारा दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से सैकड़ों व्यापारी नेता शामिल होने वाले थे, लेकिन इंडिगो की भारी परिचालन विफलता के कारण लगभग हर व्यापारी नेता घंटों तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उन्होंने कहा, 'सम्मेलन आयोजित करने का पूरा उद्देश्य ही विफल हो गया। '

खंडेलवाल ने आगे कहा कि यह

कोई एक-दो घटनाएं नहीं हैं, बीते दो दिनों में हजारों यात्री मानसिक रूप से परेशान हुए हैं। यात्रियों ने पूर्ण कुप्रबंधन की शिकायत की है। एयरलाइन के स्टाफ की ओर से कोई जानकारी नहीं, कोई सहायता नहीं, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और बिल्कुल भी जवाबदेही नहीं। बच्चों वाले परिवार, व्यापारी, वरिष्ठ नागरिक, मरीज और पेशेवर लोग घंटों फंसे रहे, जिसे लेकर उन्हें गंभीर मानसिक तनाव, शारीरिक कष्ट और महत्वपूर्ण बैठकों, फ्लाइटों व अन्य प्रतिबद्धताओं के छूट जाने से काफी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा।

सांसद खंडेलवाल ने इस संकट पर कड़ा रुख अपनाते हुए संज्ञान लिया है और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को पत्र लिखकर तत?काल कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने अपने पत्र में निम्नलिखित मांगें की हैं:-

-इंडिगो की व्यापक विफलता की समग्र जांच

-सभी प्रभावित यात्रियों के लिए अनिवार्य मुआवज़ा

-भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने हेतु सख्त नियामक उपाय

-सभी एयरलाइंस में यात्री अधिकारों का कड़ा प्रवर्तन

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इंडिगो का व्यवहार 'यात्री अधिकारों का गंभीर उल्लंघन' है और संकट के दौरान एयरलाइन कंपनी का रवैया 'उदासीन, असंवेदनशील और बिल्कुल अस्वीकार्य' रहा। उन्होंने कहा कि जनता की प्रतिक्रियाएं भी इन चिंताओं को मजबूती देती हैं। कैट महामंत्री ने कहा कि यह घटना हाल के वर्षों में सबसे खराब विमानन प्रबंधन विफलताओं में से एक मानी जा रही है, और सोशल मीडिया मंच एक?स पर फंसे यात्रियों के वीडियो और बयान बड़ी संख्या में वायरल हो रहे हैं। खंडेलवाल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से त्वरित और निर्णायक हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि जनता का भरोसा पुनः स्थापित हो, जवाबदेही तय हो, और इंडिगो की विफलता से पीड़ित हज़ारों लोगों को न्याय मिल सके। खंडेलवाल ने स्पष्ट किया, 'यह केवल एयरलाइन की समस्या नहीं, यह जनता के अधिकारों का मुद्दा है। '

आरबीआई का जीरो बैलेंस अकाउंट पर बड़ा फैसला, 1 अप्रैल 2026 से BSBD खातों में मिलेंगी ज्यादा मुफ्त सुविधाएँ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश भर में बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) खातों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। आरबीआई ने वर्ष 2026 से लागू होने वाले BSBD खातों के नए नियमों की घोषणा कर दी है। इसके तहत अब जीरो बैलेंस खातों में ग्राहकों को पहले से ज्यादा मुफ्त सुविधाएँ मिलेंगी। ये बदलाव 1 अप्रैल से पूरे देश में प्रभावी होंगे। संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, BSBD खातों में न्यूनतम बैलेंस रखने की अनिवार्यता नहीं होगी। अब ग्राहकों को बिना सालाना

शुल्क के एटीएम/डेबिट कार्ड, हर साल न्यूनतम 25 पन्नों की चेक बुक मुफ्त और इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग की सुविधा निशुल्क मिलेगी। सबसे बड़ी राहत यह है कि डिजिटल पेमेंट (UPI, NEFT, RTGS) को मासिक निकासी सीमा में नहीं जोड़ा जाएगा, जबकि न्यूनतम 4 बार मुफ्त निकासी की सुविधा बरकरार रहेगी। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बैंक किसी ग्राहक पर एटीएम कार्ड, डिजिटल बैंकिंग या चेक बुक लेने का दबाव नहीं बना सकते हैं। ये सुविधाएँ सिर्फ ग्राहक की मांग पर ही दी जाएंगी। इन संशोधनों का उद्देश्य BSBD खातों की पहुँच को बढ़ाना और ग्राहकों को अच्छी सेवा देना है।

सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को 200 करोड़ का लगा झटका, भारत में 'दित्वा' तूफान से व्यापारियों की हालत बदतर

एजेंसी

सूरत। दक्षिण भारत में आए चक्रवाती तूफान दित्वा ने गुजरात, सूरत के तेजी से बढ़ते टेक्सटाइल उद्योग को एक और बड़ा झटका दिया है। इसके कारण चेन्नई और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति बन जाने से वहां की प्रमुख कपड़ा मंडियां पूरी तरह ठप हो गई हैं। इसके चलते पोंगल के बड़े त्योहार के सीजन में सूरत से करोड़ों का माल भेजने वाले करीब 7-8 हजार व्यापारी सीधी मार झेल रहे हैं। अगर हालात वहां पर जल्द सामान्य नहीं हुए, तो उद्योग को करीब 200 करोड़ रुपये तक के नुकसान का अनुमान है। एक व्यापारी ने कहा कि इस बार पोंगल के 1000 करोड़ के कारोबार पर संकट मंडरा रहा है। पोंगल पर्व दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पारंपरिक खरीदारी का सीजन माना जाता है। यह सीजन

आमतौर पर 15 नवंबर से शुरू होता है और दिसंबर इसका पीक समय होता है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में सूरत की साड़ियाँ, सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस मटीरियल और फैंसी फैब्रिक की भारी मांग रहती है।इस वर्ष उद्योग जगत को 800 से 1000 करोड़ के व्यापार की उम्मीद थी। पिछले वर्ष यह कारोबार लगभग 900 करोड़ तक पहुंचा था, लेकिन दितवा तूफान के कारण सीजन की शुरुआत में ही परिस्थिति इतनी बिगड़ गई है कि अगर एक सप्ताह में दक्षिण भारत में हालात सुधरे नहीं, तो कुल व्यापार 20-30 फीसद तक प्रभावित हो सकता है, जो 200 करोड़ रुपये या उससे अधिक के नुकसान का संकेत है। तूफान के कारण सूरत से दक्षिण भारत तक की सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है। व्यापारियों का कहना है कि न तो परिवहन व्यवस्था सुचारू है और न ही वहां की स्थानीय मंडियां खुल पा रही हैं। फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन (फोस्टा) के प्रमुख कैलाश हाकिम के अनुसार पोंगल एक निश्चित तारीख वाला त्योहार है, अगर बाजार समय पर नहीं खुलेंगे तो खरीदारी की मांग कम हो जाएगी और व्यापारियों का तैयार माल स्टॉक में ही पड़ा रह जाएगा। सूरत के कुल टेक्सटाइल कारोबार का लगभग 30-35 फीसद हिस्सा दक्षिण भारतीय बाजारों पर निर्भर है।

रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती से वाहन उद्योग की वृद्धि को मिलेगी गति : सियाम

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के फैसले का स्वागत किया है। सियाम ने कहा कि इस फैसले से और हाल में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने से वाहन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि इससे उपभोक्ताओं के लिए वाहन कर्ज सस्ता होंगे और उनकी खरीद क्षमता बढ़ेगी।

वाहन उद्योग संगठन सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा कि आरबीआई की ओर से आज घोषित 0.25 फीसदी की रेपो रेट कटौती तथा पहले की गई रेपो रेट में कमी

SIAM
Society of Indian Automobile Manufacturers

देश में उपभोक्ता धारणा को प्रोत्साहित करने वाले अनुकूल मौद्रिक माहौल को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित आयकर राहत उपायों और ऐतिहासिक जीएसटी 2.0 सुधारों के साथ आरबीआई का यह कदम ग्राहकों की खरीद क्षमता को और बढ़ाएगा।' उन्होंने कहा कि सियाम को उम्मीद है कि मौद्रिक और राजकोषीय उपायों से भारतीय वाहन उद्योग की वृद्धि को और गति मिलेगी।

आर्थिक अनिश्चितता में बढ़ रही पर्सनल लोन की मांग, बिना गारंटी के तुरंत समाधान

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक अनिश्चितता के दौर में पर्सनल लोन लोगों के लिए सहारा बनकर उभरे हैं। मेडिकल इमरजेंसी, आय में कमी या बिजनेस नुकसान जैसी परिस्थितियों में ये तेजी से समाधान देते हैं। पर्सनल लोन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें लेने के लिए किसी सिक्योरिटी या गारंटी की जरूरत नहीं होती और ये बेहद कम समय में अप्रूव होकर सीधे अकाउंट में ट्रांसफर हो जाते हैं। भारत में पर्सनल लोन की मांग लगातार बढ़ रही है, क्योंकि ये अचानक आए खर्चों के लिए भरोसेमंद विकल्प हैं। 2025 तक कई बैंक और एनबीएफसी मजबूत क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को 9.99फीसदी से 10.80फीसदी तक की ब्याज दर पर लोन दे रहे हैं। क्रेडजेनिक्स के सीईओ ऋषभ गोयल के मुताबिक, अनुशासित ईएमआई भुगतान वित्तीय स्थिरता मजबूत करता है और दोबारा खड़े होने का मौका देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोन लेने का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए और ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क की तुलना करके ही निर्णय लेना चाहिए। हालांकि, उच्च ब्याज दर और ईएमआई चूकने पर क्रेडिट स्कोर खराब होने जैसे जोखिम भी जुड़े हैं। बिना योजना लोन लेना वित्तीय बोझ बढ़ा सकता है, इसलिए जरूरत और क्षमता के अनुसार ही लोन लेना समझदारी है।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 95,000 करोड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि मौद्रिक नीति का ऐलान होने के बाद बाजार की चाल में तेजी आ गई। मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कटौती का शेयर बाजार ने दिल खोल कर स्वागत किया। इसी वजह से दिन के कारोबार में कई बार मुनाफा वसूली की कोशिश होने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी बनी रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, डिफेंस, हेल्थकेयर, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों पर आज दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़कर 470.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 95 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,816 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,326 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 186 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,834 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,152 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,682 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 139.84 अंक की कमजोरी के साथ 85,125.48 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद ये सूचकांक फिसल कर 85,078.12 अंक के स्तर पर आ गया। सुबह 10 बजे तक इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। इसके बाद रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करने के साथ ही शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 718.60 अंक उछल कर 531.40 अंक की मजबूती के साथ 85,796.72 अंक के स्तर पर पहुंच गया। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 85 अंक फिसल कर 447.05 अंक की बढ़त के साथ 85,712.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.95 अंक टूट कर 25,999.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक थोड़ी देर में ही लुढ़क कर 25,985.35 अंक के स्तर पर आ गया। सुबह 10 बजे तक इस सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होती रही। इसके बाद मौद्रिक नीति का ऐलान होते ही इस सूचकांक ने कुलांचे भरना शुरू कर दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 217.25 अंक उछल कर 168.85 अंक की तेजी के साथ 26,202.60 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 152.70 अंक की बढ़त के साथ 26,186.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

जेन-जी आंदोलन के बाद पहली बार ओली और देउबा की बैठक

एजेंसी

काठमांडू। जेन-जी प्रदर्शन के बाद पहली बार सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने राजनीतिक वार्ता की। ओली, देउबा के अस्थायी निवास पहुंचे, जहां कार्यवाहक कांग्रेस अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का पहले से ही पार्टी नेताओं के साथ चर्चा में थे। जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देउबा पर हुए गंभीर हमले के बाद दोनों शीर्ष नेताओं की यह पहली प्रत्यक्ष मुलाकात है। कार्यवाहक अध्यक्ष खड़का ने कहा, 'महाराजगंज में ओली और देउबा सहित अन्य नेताओं की बैठक हुई।' दोनों ने 05 मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव में गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ने पर भी चर्चा की। ओली ने इस मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि वे देउबा की सेहत के बारे में जानकारी लेने महाराजगंज पहुंचे हैं। यह 8-9 सितम्बर को हुए जेन-जी आंदोलन के बाद दोनों नेताओं की पहली भेंट है। उन्होंने कहा, 'आंदोलन के चलते हुए राजनीतिक बदलाव के बाद कोई बैठक नहीं हुई थी। वे कांग्रेस अध्यक्ष देउबा की स्थिति जानने गए थे।' उन्होंने बताया कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की जाएगी। इस बीच, संसद विघटन मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहने के कारण दोनों दलों के नेता साझा समझ विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। बैठक में हाल की राजनीतिक घटनाएं, आगामी दोनों चुनाव और संसद से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

बांग्लादेश में बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, पिछले 24 घंटे में 200 मरीज भर्ती

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मरीजों की संख्या खतरनाक रूप से लगातार बढ़ रही है। हालत यह है कि पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है।राहत की बात है कि इस दौरान किसी डेंगू प्रभावित मरीज की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष की तरफ से डेंगू प्रभावित मरीजों के बारे में जानकारी दी गई है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे के भीतर देश के विभिन्न अस्पतालों में डेंगू से प्रभावित कुल 200 नये मरीजों को भर्ती कराया गया है। नए भर्ती हुए मरीजों में से 14 मरीज बारीसाल संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 92 मरीज चटगांव संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 14 मरीज ढाका संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर), 72 मरीज ढाका उत्तर नगर निगम (डीएनसीसी) के अंतर्गत, 06 मरीज ढाका दक्षिण नगर निगम (डीएससीसी) के अंतर्गत और 02 मरीज खुलना संभाग (नगर निगम क्षेत्र के बाहर) के अस्पताल में भर्ती हुए। विभाग की तरफ से बताया गया है कि पिछले 24 घंटों में डेंगू से संबंधित किसी भी मौत की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या 394 है। इस वर्ष अब तक 96,827 लोग डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से 63फीसदी पुरुष और 37फीसदी महिलाएं हैं।

इजरायली प्रधानमंत्री ने रिश्वत मामले की सुनवाई का मजाक उड़ाया

तेल अवीव। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने खिलाफ रिश्वत मामले की सुनवाई को लेकर तेल अवीव के सरकारी अभियोजकों पर तीखा हमला किया। उन्होंने अभियोजकों की आलोचना की और आरोप लगाया कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले हास्यास्पद हैं। यह एक 'राजनीतिक मुकदमा' है जो उन्हें सत्ता से हटाने के लिए तैयार किया गया है। गौरतलब है कि यह संदेश उनके राष्ट्रपति से माफी मांगने के कुछ दिनों बाद पोस्ट किया गया था और इसे उन सवालों के जवाब के तौर पर पेश किया गया था जो उन्होंने कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दर्शकों से मिले थे। उन्होंने रिश्वतखोरी के आरोप को खारिज कर दिया और कहा कि उन्हें रेगुलेटरी फायदों के बदले में अनुकूल मीडिया कवरेज मिला। इसे उन्होंने बेतुका बताते हुए कहा कि उनके आधारहीन आरोप कहा जिसका कोई मौजूदा उदाहरण नहीं मिलता। उन्होंने कहा, 'मुझ पर एक घटिया इंटरनेट साइट से अपने पक्ष में प्रेस कवरेज करने का आरोप है।' उन्होंने कहा, '250 साल के उदार लोकतंत्र में किसी पर भी अपने पक्ष में प्रेस कवरेज को अपराध के रूप में लेने का आरोप नहीं लगाया गया है।'

बिगड़ती सेहत के बीच खालिदा जिया का लंदन जाना स्थगित, अब डॉक्टरों की अनुमति पर निर्भरः बीएनपी

ढाका। बंगलादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए लंदन ले जाने की उनकी योजना स्थगित कर दी गई है तथा अब उनका स्वास्थ्यलाभ चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उन्हें उड़ान की अनुमति दिए जाने पर निर्भर है। बीएनपी महासचिव मिर्ज़ा फ़ख़रुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि एम्बुलेंस पहुँच जाएगी, हालाँकि तब भी यह निश्चित रूप से तभी होगा कि डॉक्टरों द्वारा उन्हें 'पूरी तरह से ठीक' घोषित कर दिया जाएगा, क्योंकि उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। ढाका के नयापल्टन स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रार्थना सभा में बोलते हुए, आलमगीर ने कहा, 'अगर कतर से एयर एम्बुलेंस कल पहुँचती है, तो संभावना है कि उन्हें रविवार को लंदन ले जाया जाएगा। वह अभी भी गंभीर रूप से बीमार हैं। अगर डॉक्टर पुष्टि करते हैं कि वह उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तभी उन्हें इलाज के लिए लंदन ले जाया जाएगा।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर फिर गरमाया माहौल, दोनों तरफ से हुई गोलीबारी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर एक बार फिर से तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा अपडेट में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भारी गोलीबारी की घटना सामने आई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर झड़प शुरू करने का आरोप लगाया। बता दें, सऊदी अरब भी दोनों देशों के बीच सुलह कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, इन कोशिशों का कुछ खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। शुक्रवार देर रात काबुल और इस्लामाबाद के बीच हुई इस झड़प ने सीजफायर कराने की नई कोशिशों को नाकाम कर दिया। अफगानिस्तान की सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक जिले में हमले किए। इसके बाद अफगान सेना ने जवाब दिया।मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किया, 'दुर्भाग्य से, आज शाम पाकिस्तानी पक्ष ने एक बार फिर कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में अफगानिस्तान की ओर हमले किए, जिसके बाद इस्लामिक अमीरात सेना को जवाब देना पड़ा।'

क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से पाकिस्तान मीडिया डॉन ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे गोलीबारी शुरू हुई और देर रात तक जारी रही। पाकिस्तान के चमन जिला अस्पताल के अधीक्षक मुहम्मद ओवैस के अनुसार, एक महिला समेत तीन लोगों को घायल अवस्था में लाया गया था। इससे पहले, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कराने के लिए तुर्किए और कतर ने भरपूर कोशिशें कीं। दोनों पक्षों के बीच कतर और तुर्किए की मध्यस्थता के तहत तीन दौर की बैठकें हुईं, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष विराम के तरीकों पर आम सहमति नहीं बन पाई। दरअसल, दोनों देशों के बीच एक अस्थिर सीमा है, जिस पर एक महीने से ज्यादा समय से भारी लड़ाई चल रही है, और कहा जा रहा है कि इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान के अंदर कई हवाई हमले किए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को पहला फीफा शांति पुरस्कार, फुटबाल विश्वकप ड्रॉ के दौरान सम्मानित

एजेंसी

वॉशिंगटन। नोबेल शांति पुरस्कार पाने की हसरत में बिना रुके दावों की झड़ी लगाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फीफा का शांति पुरस्कार मिला। वॉशिंगटन स्थित कैनेडी सेंटर में आयोजित फीफा विश्वकप 2026 के ड्रॉ के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को पहला फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। खुद को अनवरत शांति का सबसे बड़ा दूत बताने वाले ट्रंप को पहला फीफा शांति पुरस्कार दिया गया है। 5 दिसंबर को वॉशिंगटन में हुए फीफा विश्वकप ड्रॉ के दौरान यह पुरस्कार दिया गया। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ट्रंप को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित कर कहा कि यह पुरस्कार दुनिया भर में शांति और एकता को बढ़ावा देने के लिए किए गए कामों को प्रोत्साहित करता है। फीफा शांति पुरस्कार सम्मानित किए जाने पर ट्रंप ने कांगो सहित दुनिया के विभिन्न संघर्षों में अपनी भूमिका का दावा करते हुए कहा कि दुनिया अब ज्यादा सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि यह उनकी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। व्हाइट हाउस ने इस संबंध में सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा है कि फीफा शांति पुरस्कार, राष्ट्रपति ट्रंप की शांति के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि फुटबॉल विश्वकप 2026 अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट 11 जून से शुरू होगा और 16 शहरों में 104 मैच खेले जाएंगे। हालांकि इस खेल आयोजन के दौरान ट्रंप को पहला फीफा शांति पुरस्कार दिए जाने को लेकर काफी सवाल भी उठ रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग इतने बड़े खेल आयोजन को राजनीतिक संदेशों से जोड़े जाने की आलोचना कर रहे हैं।

ग्वाडेलोप में क्रिसमस की तैयारियों के बीच भीड़ में घुसी कार, 10 की मौत

एजेंसी

ग्वाडेलोप । फ्रांस में ओवरसीज क्षेत्र ग्वाडेलोप केसैंट-एनी में एक क्रिसमस इवेंट का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब एक कार त्योहार की तैयारियों में जुटे लोगों की भीड़ में घुस गई। इस भयानक हादसे में कम से कम 19 लोग घायल हो गए, जिनमें से 10 लोगों की मौत हो गई। रेडियो कैराइब्स इंटरनेशनेल (आरसीआई) ग्वाडेलोप ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। यह घटना टाउन हॉल और चर्च के सामने शोएल्चर स्क्वायर पर हुई। यहां क्रिसमस के त्योहार को लेकर तैयारियां की जा रही थीं। घटना किस वजह से हुई, यह अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। आरसीआई के हवाले से गवाहों ने कहा कि ड्राइवर को गाड़ी चलाने के दौरान शायद किसी तरह की मेडिकल इमरजेंसी हुई होगी। हालांकि, यह केवल अटकलें हैं और अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। वहीं गाड़ी चलाने वाला शख्स घटना के बाद भी वहां मौजूद था। आनन-फानन में फायरफाइटर्स, पैरामेडिक्स और पुलिस

ऑफिसर मौके पर पहुंचे। इसके बाद शहर के मेयर भी कुछ ही देर में वहां पहुंच गए। इस भयानक हादसे के बाद पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद के लिए एक टीम को एक्टिवेट किया गया। रेस्क्यू टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जल्द से जल्द घायलों को अस्पताल भेजा। पिछले साल जर्मनी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। त्योहार से कुछ दिन पहले मैगडेबर्ग में एक कार भीड़भाड़ वाले आउटडोर क्रिसमस मार्केट में घुस गई थी। इस घटना में कम से कम दो लोग मारे गए थे और 68 घायल हुए थे। घटना के बाद ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया था। सैक्सोनी-एनहाल्ट की मंत्री तमारा जीशैंग ने कहा कि संदिग्ध एक 50 साल का सऊदी डॉक्टर था, जो 2006 में पहली बार जर्मनी आया था। सरकारी अधिकारियों और शहर की वेबसाइट के अनुसार, 68 घायलों में से 15 को बहुत गंभीर चोटें आईं, 37 को मामूली चोटें आईं और 16 लोगों को हल्की चोटें आई थीं।

इंडिगो एयरलाइंस की अव्यवस्था का असर नेपाल की उड़ानों में भी दिखा

एजेंसी

काठमांडू। भारत में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संचालन व्यवस्था अस्त-व्यस्त होने के कारण उसका प्रत्यक्ष प्रभाव नेपाल-भारत रूट की उड़ानों पर भी देखा गया है। गुरुवार को दिल्ली और मुंबई से काठमांडू आने वाली अन्य तीन उड़ानें भी करीब 1 घंटे की देरी से रवाना हुई। भी उड़ानें प्रभावित हो रही है। आज सुबह 9 बजे उतरने वाली पहली उड़ान तीन घंटे की देरी के बाद दोपहर 12 बजे लैंड हो सकी है। काठमांडू विमानस्थल के अनुसार दोपहर 4 बजे काठमांडू में उतरने वाली उड़ान संख्या 6E-1155 शाम साढ़े 7 बजे लैंड कर सकी। इसी तरह दिल्ली से ही दोपहर 1230 बजे लैंड करने वाली इंडिगो की दूसरी विमान के ढाई घंटे की देरी से लैंड की सूचना दी गई है। ही मुंबई से आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6श्व 1915 के लैंड का समय 1330 है, उसके भी करीब दो घंटे विलंब से लैंड करने वाली है। दिल्ली-काठमांडू-दिल्ली की तीन और मुंबई-काठमांडू की एक उड़ान सहित प्रतिदिन आठ दोतरफा उड़ानें

संचालित करने वाली इंडिगो के काठमांडू कार्यालय ने जानकारी दी है कि उड़ानों पर कुछ असर पड़ेगा, लेकिन भारत की तरह नेपाल में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करने की स्थिति नहीं बनेगी।भारत में कड़े क्रू-रोस्टर नियम लागू होने से उत्पन्न तनाव और एयरबस के आपातकालीन सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण शुरू हुई उड़ान अव्यवस्था का असर नेपाल में भी सीधा देखा गया है। नेपाल में इंडिगो के जीएसए प्रतिनिधि भोला विक्रम थापा के अनुसार एयरबस के सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण नेपाल आने वाली इंडिगो उड़ानों में देरी तो हुई है, लेकिन भारत की तरह उड़ान रद्द करने की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में इंडिगो की उड़ानें फिर सामान्य हो जाएंगी। भारत के हवाई अड्डों जैसा बड़ा असर नेपाल में नहीं होगा। यह केवल सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण हुई देरी है, उड़ानें रद्द नहीं होंगी। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी और लोकप्रिय एयरलाइन है।

न्यूयॉर्क की महिला पर लगा भारतीयों को कनाडा-अमेरिका बॉर्डर पार कराकर स्मगलिंग करने का आरोप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य के उत्तरी भाग में रहने वाली 42 वर्षीया महिला, स्टेसी टेलर, पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को अवैध रूप से अमेरिका में घुसाने वाले गिरोह में शामिल होने का आरोप लगा है। आरोप है कि इंटरनेशनल ह्यूमन स्मगलिंग नेटवर्क में सक्रिय यह गिरोह मुख्य रूप से भारत के नागरिकों को इस वर्ष कई बार गैर-कानूनी तरीके से यूएस-कनाडा सीमा पार करा रहा था। स्टेसी टेलर को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। इससे पहले 2 अक्टूबर को अल्बानी की एक संघीय जूरी ने उनके विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया था। उन पर साजिश के तहत अवैध ढंग से लोगों को सीमा पार कराने का एक आरोप और लाभ कमाने के उद्देश्य से लोगों की तस्करी करने के चार आरोप लगे हैं। इनमें से तीन आरोप दोहराए गए अपराध माने गए हैं। अगर वह दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें फायदे के लिए की गई हर स्मगलिंग के लिए कम से कम पांच साल जेल की सजा होगी, और बार-

बार अपराध करने पर अतिरिक्त सजा भी मिलेगी। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 20 जनवरी को सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने न्यूयॉर्क के चुरूबस्को क्षेत्र के पास भोर में उनकी कार रोकी। कार में चार विदेशी नागरिक मिले, जिसमें तीन भारतीय और एक कनाडाई था। जांच में पता चला कि ये लोग बिना जांच-पड़ताल कराए गैर-कानूनी तरीके से यूएस-कनाडा बॉर्डर पार करके आए थे। टेलर के मोबाइल फ़ोन की जांच में कई टेक्स्ट मैसेज मिले, जिनसे पता चला कि वह इससे पहले भी ऐसे कई अवैध कामों में शामिल रही थीं। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी में पकड़े जाने के बाद भी अगस्त 2025 में वह एक और संदिग्ध तस्करी मामले में रोकी गई और सितंबर 2025 में भी उनका नाम ऐसी ही गतिविधि में सामने आया। इन आरोपों की घोषणा जस्टिस डिपार्टमेंट के क्रिमिनल डिवीजन के एक्टिंग असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल मैथ्यू आर. गैलेओटी और न्यूयॉर्क के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के यूएस अटॉर्नी जॉन ए. सरकोन III ने की। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका-कनाडा की उत्तरी सीमा पर अवैध रूप से घुसने की घटनाएं बढ़ी हैं, विशेषकर भारत से आने वाले प्रवासियों से सम्बन्धित मामलों में। तस्करी करने वाले गिरोह अब दूर-दराज़ और बर्फीले इलाकों का इस्तेमाल कर लोगों को अमेरिका में प्रवेश कराने की कोशिश करते हैं। 2022 से इस सीमा पर अवैध प्रवेश लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण गश्त और दोनों देशों के बीच सहयोग और सख्त कर दिया गया है।

नेपाल के निर्वाचन आयोग ने समानुपातिक प्रणाली के लिए दलों से आवेदन का आह्वान किया

एजेंसी

काठमांडू। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव में समानुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली के तहत भाग लेने की इच्छा रखने वाले राजनीतिक दलों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन जमा करने की अपील की है। सूचना जारी करते हुए आयोग ने बताया कि पीआर से संबंधित निर्वाचन कार्यक्रम शुरू होगा। स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार, पीआर प्रणाली से चुनाव लड़ने वाले दलों को 7 दिसम्बर सुबह 10 बजे से लेकर 9 दिसम्बर शाम 4 बजे तक अपना आवेदन जमा करना होगा। आयोग ने अपने कार्यालय परिसर में पीआर प्रक्रिया के लिए निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय पहले ही स्थापित कर लिया है। आयोग के सचिव महादेव पन्थी को पीआर श्रेणी के लिए निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। आयोग के अनुसार, आवेदन जमा करने वाले दलों की सूची 10 दिसम्बर को प्रकाशित की जाएगी। पीआर प्रणाली में पंजीकृत दलों को इसके बाद 28 और 29 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अपनी बन्द सूची (क्लोज्ड लिस्ट) प्रस्तुत करनी होगी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव में अब केवल 90 दिन शेष रहते हुए आयोग ने प्रत्यक्ष निर्वाचन (एफपीटीपी) प्रक्रिया का कार्यक्रम भी सार्वजनिक कर दिया है। इस कार्यक्रम के अनुसार, एफपीटीपी उम्मीदवार 20 जनवरी को अपना नामांकन दर्ज करेंगे और प्रारम्भिक सूची भी उसी दिन प्रकाशित की जाएगी।

जन्म के आधार पर नागरिकता: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट तय करेगा ट्रंप के कार्यकारी आदेश का भविष्य

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला करने पर सहमति जताई है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर कानूनी है या नहीं, जिसमें अमेरिका में जन्म लेने के आधार पर बच्चों को मिलने वाली नागरिकता खत्म करने की बात कही गई है। यह व्यवस्था अमेरिका में एक सदी से भी ज्यादा समय से लागू है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 20 जनवरी को पद संभालने के बाद एक कार्यकारी आदेश (एग्जीक्यूटिव ऑर्डर) जारी किया। इसमें फेडरल एजेंसियों को कहा गया था कि 19 फरवरी के बाद जन्म लेने वाले उन बच्चों को नागरिकता न दी जाए, जिनके माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक नहीं है और न ही स्थायी निवासी है।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि संविधान उन बच्चों को नागरिकता नहीं देता जिनके माता-पिता 'अस्थायी रूप से आए हुए लोग' या 'गैरकानूनी रूप से रह रहे लोग' हों, क्योंकि ऐसे माता-पिता संविधान के अनुसार अमेरिका के 'अधिकार क्षेत्र' में नहीं आते। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी होने के तुरंत बाद, इसे चुनौती देते हुए कई मुकदमे दायर किए गए। कई फेडरल जजों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। 27 जून को सर्वोच्च न्यायालय ने 6-3 के फैसले में कहा कि फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट इस आदेश पर पूरे देश में रोक लगाने का अधिकार नहीं रखतीं। अब, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी है, तो वह सीधे इस विवाद को सुलझाने की तैयारी में है। सरकार का कहना है कि गैर-अमेरिकी नागरिकों के बच्चे अमेरिका के 'अधिकार क्षेत्र' में नहीं आते, इसलिए उन्हें जन्म से स्वचालित नागरिकता नहीं मिलनी चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाले 24 राज्यों और 27 सांसदों ने अदालत से इस नीति को सही ठहराने की मांग की है। ट्रंप की आव्रजन नीतियों से जुड़े कई विवादों में यह मामला भी शामिल है, जिन पर निर्णय देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से अपील की गई है। बता दें कि ट्रंप ने 20 जनवरी को इस ऑर्डर पर साइन किए थे। इसमें फेडरल एजेंसियों को यह निर्देश दिया गया था कि अगर माता-पिता में से कोई भी अमेरिकी नागरिक या परमानेंट रेसिडेंट नहीं है, तो 19 फरवरी के बाद पैदा हुए बच्चों को नागरिकता की पहचान देना बंद कर दें। इसके बाद, 20 से ज्यादा राज्यों और सिविल राइट्स ग्रुप्स ने तुरंत इस ऑर्डर को चुनौती देते हुए मुकदमे दायर किए और इसे साफ तौर पर 'गैर-संवैधानिक' बताया था।

सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री सुशीला ने शांतिपूर्ण चुनाव कराने की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सर्वदलीय बैठक में प्रतिनिधि सभा का चुनाव 5 मार्च 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में कराने की अपनी प्रतिबद्धता पुनः स्पष्ट की। बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री आवास में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव की तिथि स्थगित नहीं होगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग, सुरक्षा निकाय तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी सरकारी संस्थान पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि चुनाव होगा या नहीं—हमें सोचना चाहिए कि इसे सफल कैसे बनाया जाए। यदि सभी 126 दल अपने संकल्प में एकजुट रहें, तो कोई भी चुनाव में बाधा नहीं डाल सकता। जब जनता—जो सुरक्षा की पहली पंक्ति है—मजबूती से खड़ी होती है और पुलिस, सशस्त्र बल व पूर्व सुरक्षाकर्मी साथ होते हैं, तब असामाजिक तत्व हमला नहीं कर सकते।' प्रधानमंत्री कार्की ने जोर देते हुए कहा कि चुनाव ही आगे बढ़ने का एकमात्र मार्ग है।

उन्होंने कहा, 'हम जेन-जी आंदोलन से निकले हैं, लेकिन हम राजनीतिक दलों के विरोधी नहीं हैं। राजनीतिक दलों को मजबूत और वैध बनाने के लिए चुनाव अनिवार्य हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि निर्वाचन आयोग और सुरक्षा एजेन्सियां, जिनमें नेपाली सेना और नेपाल पुलिस शामिल हैं, चुनाव तैयारी में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। प्रधानमंत्री कार्की के अनुसार बैठक में उपस्थित सभी दलों ने चुनाव में भाग लेने की अपनी तत्परता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि आज की बैठक अब तक की सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक है। कुछ आरक्षणों के बावजूद सभी इस बात पर सहमत थे कि चुनाव अवश्य होने चाहिए।' 8 और 9 सितम्बर की घटनाओं को याद करते हुए उन्होंने राजनीतिक शक्तियों से एकजुट होकर आगे का मार्ग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'क्या हुआ और क्यों हुआ। इसका विश्लेषण समय करेगा, लेकिन उस घटना ने राष्ट्रीय जीवन में बड़े परिवर्तन लाए। पूर्व की शक्तिशाली और निर्वाचित सरकार स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रही।'

शहबाज शरीफ ने संघीय मंत्रिमंडल के साथ बैठक में व्यापार सुधारों की सिफारिशों की समीक्षा की

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनकी सरकार देश के बेहद कमजोर आर्थिक ढांचे को मजबूत करने और इसकी बिगड़ती व्यापार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी उद्योगों में उत्पादन लागत को कम करने के उद्देश्य से प्राथमिकता के आधार पर कदम उठा रही है। श्री शरीफ राजधानी इस्लामाबाद में सीमा शुल्क और व्यापक व्यापार सुधारों पर उप-कार्य समूह की सिफारिशों की समीक्षा के लिए संघीय मंत्रिमंडल के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में संघीय मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, अताउल्लाह तरार, मुसादिक मलिक, अवैस अहमद खान लेघारी, अहद खान चीमा, अली परवेज मलिक, अजहर बिलाल कयानी, हारून अख्तर, साथ ही विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) के राष्ट्रीय समन्वयक, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। श्री शरीफ ने कहा कि सरकार द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय टैरिफ नीति घरेलू विनिर्माण को समर्थन देने और व्यवसायों को स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने की दिशा में एक 'क्रांतिकारी कदम' है। उनका कहना था कि यह नीति देश के निर्यात और आयात ढाँचों को समग्र राष्ट्रीय राजकोषीय क्षेत्र को मज़बूत करने के व्यापक आर्थिक उद्देश्यों के अनुरूप ढालने के लिए तैयार की गई।

पीएम मोदी मौजूदा समय के जियो पॉलिटिक्स में सबसे प्रभावशाली नेता: अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन

एजेंसी

वॉशिंगटन । अफ्रीकी-अमेरिकी सिंगर और लंबे समय से भारत की प्रशंसक मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज की भू-राजनीति में सबसे प्रभावशाली और सबसे महत्वपूर्ण नेता बताया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में इस हफ्ते हुई प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक ने भारत की वैश्विक स्थिति को ज्यादा मजबूत किया है। आईएएनएस को दिए खास इंटरव्यू में मिलबेन ने कहा कि मोदी-पुतिन वार्ता दोनों देशों के बीच गहरी साझेदारी और लंबे समय से चले आ रहे भरोसे को दर्शाती है। उनके मुताबिक, 'प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की यह मुलाकात बेहद सफल रही। यह निश्चित रूप से भारत और रूस के बीच एक बहुत गहरी गठबंधन की तस्वीर पेश करती है, ठीक वैसे ही जैसे अमेरिका और भारत के बीच मजबूत रिश्ते हैं। मिलबेन ने प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और आर्थिक सहयोग जैसे संवेदनशील मामलों पर पीएम मोदी ने बेहद संतुलन और रणनीतिक सूझबूझ दिखाई। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन की प्राथमिकता तेल और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना था, जबकि मोदी ने हर मुद्दे पर भारत के हित को केंद्र में रखकर संवाद किया। मिलबेन ने साफ कहा, 'प्रधानमंत्री वह करेंगे जो भारत के हित में सबसे अच्छा होगा। हर नेता अपने देश के लिए वही करता है।'

इंटरव्यू में मिलबेन कई बार इस बात पर जोर देती रहीं कि प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक प्रतिष्ठा आज सबसे ऊंचे स्तर पर है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी इस समय दुनिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य के सबसे महत्वपूर्ण और सबसे प्रभावशाली नेता हैं। यह तथ्य है, इसे नकारा नहीं जा सकता। पीएम मोदी ने भारत को और खुद को वैश्विक राजनीति के केंद्र में पहुंचा दिया है।' मैरी मिलबेन (जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम से करीबी संबंध रखती हैं) ने ट्रंप प्रशासन की हालिया इंडिया नीति की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा, 'भारत के साथ व्यापार को लेकर अमेरिकी रुख बहुत ज्यादा आक्रामक था। कई बार यह रुख दबाव डालने जैसा दिखाई दिया।' मिलबेन ने कहा, 'भारत हमारा मित्र है। सबसे मजबूत लोकतांत्रिक साझेदार है। दोस्तों के साथ बातचीत में असहमति हो सकती है, लेकिन संबंधों को नुकसान पहुंचाए बिना।'

उनके अनुसार, अमेरिका की अनावश्यक आक्रामकता की वजह से कई बड़े वैश्विक खिलाड़ी अपने विकल्प तलाशने लगे, जिसका असर भारत-रूस और भारत-चीन की डिप्लोमेसी में भी दिखा।

मिलबेन ने सीधे सुझाव दिया कि ट्रंप को इस मुलाकात को नई दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरी सलाह है कि प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका आमंत्रित करें। बैठकर बातचीत करें, डिनर करें, माफी मांगें और रिश्तों की मरम्मत करें।'

उनका मानना है कि ऐसा कदम अमेरिका के लिए भी फायदेमंद होगा, खासकर अगर वह रूस-यूक्रेन शांति प्रयासों में आगे बढ़ना चाहता है। मिलबेन ने कहा, 'दुनिया में अगर कोई नेता रूस-यूक्रेन में मध्यस्थ बन सकता है, तो वह सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी हैं।' इंटरव्यू में मिलबेन ने कहा कि दुनिया भर के नेता इस साल अमेरिकी चुनावों पर करीबी नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया जानती है कि अमेरिका में चुनाव का मौसम कैसा होता है।' मिलबेन ने कहा कि उन्हें दोनों नेताओं पर पूरा भरोसा है और दोनों एक-दूसरे को समझते हैं। मैं सच में मानती हूं कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप दोस्त हैं और बहुत समय से हैं। नई दिल्ली में मोदी की हालिया कूटनीति उनके वैश्विक कद को और मजबूत साबित करती है। उनकी नेतृत्व क्षमता पूरी तरह सामने आई है। मैं उनकी सराहना करती हूं।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/6/2025 11:57 PM Page 2

गोभी का अचार

By: Nisha Madhulika

सर्दियों के मौसम में ताजी फूलगोभी से बना अचार काफी चटपटा और मज़ेदार होता है. गोभी को फ्लोरेट, ब्लांच और मसाले व सरसों का तेल मिक्स करके तैयार होने वाले इस अचार का स्वाद सभी के ज़बान पर चढ़ जाता है. सब्जी के बगैर भी सिर्फ गोभी के अचार के साथ पूरी, परांठे और चपाती खाने का अनुभव ही अलग होता है.

आवश्यक सामग्री

- फूलगोभी- 1 (।50 ग्राम)
- नमक- 2 छोटी चम्मच
- सरसों का तेल- ½ कप (100 ग्राम)
- सफेद सिरका- 2 टेबल स्पून
- नमक- 2 छोटी चम्मच
- सरसों का पाउडर- 2 छोटी चम्मच (दरदरा कुटा हुआ)
- सौंफ- 2 छोटी चम्मच (दरदरी कुटी हुई)
- हींग- 1 पिंच
- हल्दी पाउडर- 1 छोटी चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटी चम्मच
- मैथी पाउडर - 1 छोटी चम्मच (दरदरा कुटा हुआ)

विधि

गोभी का अचार बनाने के लिए सबसे पहले गोभी को फ्लोरेट कर लीजिए. इसके लिए, गोभी का डंठल काटकर हटा दीजिए और गोभी के छोटे-छोटे फूल अलग कर लीजिए.

गोभी को नमक के पानी में डालने के लिए, एक बड़ा प्याला लीजिए और इसमें इतना पानी डाल लीजिए जिसमें कि गोभी आराम से डूब सके. फिर, पानी में 2 छोटी नमक डालकर मिक्स कर लीजिए. गोभी के टुकड़ों को इस पानी में डाल दीजिए और पूरे 10 मिनिट तक डूबे रहने दीजिए.

10 मिनिट बाद, गोभी को अच्छे से धोकर पानी में से निकाल लीजिए और गोभी को एक बार और सादे पानी से धो लीजिए.

गोभी को ब्लांच करने के लिए, भगोने में पानी उबाल लीजिए. पानी में अच्छे से उबाल आने पर गोभी के टुकड़ों को डाल दीजिए. इसे ढककर रख दीजिए और 3 मिनिट के लिए उबलने दीजिए.

3 मिनिट बाद, गैस बंद कर दीजिए. गोभी को एक बड़े प्याले में रखी छलनी में निकाल लीजिए. इससे अतिरिक्त पानी नीचे प्याले में निकल जाएगा.

ट्रे पर साफ सूती कपड़ा बिछा दीजिए और इस पर गोभी को डाल दीजिए. गोभी के टुकड़ों को इकहरा फैला लीजिए और गोभी को 2 घंटे के लिए धूप में सुखा लीजिए.

गोभी को 3 घंटे अच्छे से सुखाने के बाद अचार बना लीजिए. इसके लिए, एक ओर पैन में सरसों के तेल को गैस पर गरम कर लीजिए. दूसरी ओर, एक प्याला लीजिए और इसमें गोभी के टुकड़ों को डाल दीजिए. तेल के अच्छे गरम होने और धुआं उठने के साथ ही गैस बंद कर दीजिए और तेल को थोड़ा सा ठंडा होने दीजिए.

गोभी में नमक, सरसों का दरदरा कुटा पाउडर, दरदरी कुटी सौंफ, दरदरा कुटा मेथी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग और सिरका डाल दीजिए. सभी मसालों को डालने के बाद, गोभी में तेल डाल दीजिए और सारी सामग्री को अच्छे से मिलने तक मिक्स कर लीजिए.

स्वाद से भरपूर गोभी का अचार बनकर तैयार है. आप इसे अभी भी खा सकते हैं, लेकिन अचार का असली स्वाद तीसरे दिन मिलता है, जब सारे मसाले गोभी में ज़ज़्ब हो जाएंगे. अचार को एअर-टाइट कन्टेनर में भरकर रख दीजिए और दूसरे दिन चमचे से चला लीजिए.

गोभी शलजम का अचार रेसिपी

सर्दियों में लोगों को तीखा खाना बहुत पसंद होता है। तो चलिए, आपको बचाते हैं कि रोज़ के खाने को आप किस तरह नया स्वाद दे सकते हैं, वह भी खट्टे-मीठे आचार से।गोभी शलजम के अचार की खास बात यह है कि आपको इसके लिए ज्यादा दिनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस अचार को आप सिर्फ 30 मिनट में बना सकते हैं।

गोभी शलजम का अचार बनाने के लिए सामग्री=

गोभी शलजम के अचार का स्वाद थोड़ा खट्टा-मीठा होता है। इस अचार में गाजर का भी इस्तेमाल किया जाता है। इसमें ढेर सारे मसाले डाले जाते है, मिठास देने के लिए गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। यह अचार खासतौर पर सर्दियों में भी बनाया जाता है।

सामग्री

- **500 ग्राम शलजम, टुकड़ों में कटा हुआ**
- **750 ग्राम गोभी, टुकड़ों में कटा हुआ**
- **750 ग्राम गाजर, टुकड़ों में कटा हुआ**
- **60 (कुटी हुई) ग्राम लहसुन**
- **60 (कुटी हुई) ग्राम अदरक**
- **60 (पाउडर के रूप में)- ग्राम गरम मसाला**
- **60 ग्राम राई, पाउडर**
- **20 ग्राम मिर्च पाउडर**
- **60 ग्राम नमक**
- **180 ग्राम सिरका**
- **125 ग्राम गुड़**
- **250 ग्राम सरसों का तेल**

गोभी शलजम का अचार बनाने की विधि

- एक बड़ी कढ़ाही में तेल डालकर गर्म करें। इसके अलावा एक दूसरे पैन में सिरका और गुड़ डालें।
- सिरके को एक बार उबाल लेने के बाद आंच को हल्का कर दें, जिससे गुड़ पिघल जाए।
- जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें अदरक और लहसुन डालकर हल्का भूर रंग का होने तक भून लें।
- ध्यान रहे, आपको आंच तेज़ ही रखनी है।
- फिर इसमें शलजम, गोभी और गाजर डालें।
- तेज़ आंच पर मिक्सचर को चलाएं। इसे तब तक चलाते रहें, जब तक सब्जियों का पानी न सूख जाए।
- जब सब्जियों का रंग तेल जैसा हो जाए, तब इसमें पाउडर मसाले डालें। साथ ही नमक डालकर मिक्स करें।
- तेज़ आंच पर सिरके का मिक्सचर डालें। एक बार उबाल लेने के बाद आंच को बंद कर दें। सर्व करें।

रेसिपी नोट- गोभी शलगम का अचार सर्दियों में ही मुख्य रूप से बनाया जा सकता है।

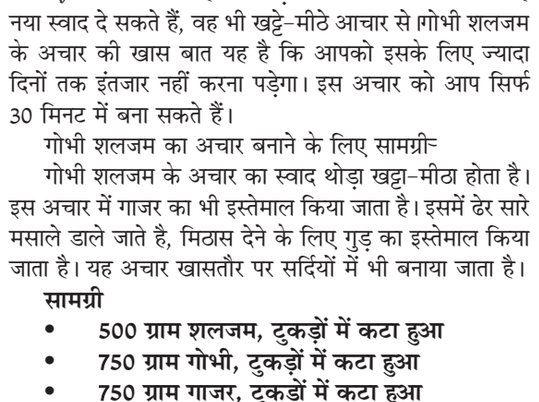

उत्तम आय के लिए अपनाएं मटर की खेती

सी एम शर्मा

यह फसल लैग्यूमिनसियाइ फैमिली से संबंध रखती है। यह ठंडे इलाकों वाली फसल है। इसकी हरी फलियां सब्जी बनाने और सूखी फलियां दालें बनाने के लिए प्रयोग की जाती हैं। यह फसल जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक और बिहार में उगाई जाती है। यह प्रोटीन और अमीनो एसिड का अच्छा स्त्रोत है। यह फसल पशुओं के लिए चारे के तौर पर भी प्रयोग की जाती है।

उपयुक्त तापमान 15 से 30ए सेल्सियस

उपयुक्त औसत वार्षिक वर्षा 400 से 500 मिलीमीटर

फसल कटाई के समय उपयुक्त तापमान 15 से 20ए सेल्सियस

बोआई के समय का उपयुक्त तापमान 25 से 30ए सेल्सियस

इसे मिट्टी की विभिन्न किस्मों, रेतली दोमट से चिकनी मिट्टी में उगाया जा सकता है। यह अच्छे निकास वाली मिट्टी में उगाने पर अच्छे परिणाम देती है। मिट्टी की पी एच 6 से 7.5 होनी चाहिए। यह फसल जल जमाव वाले हालातों में खड़ी नहीं रह सकती। अम्लीय मिट्टी के लिए, कली (चूना) डालें।

प्रसिद्ध किस्में और पैदावार

पी जी 3 - यह छोटे कद वाली अगेती किस्म है जो 135 दिनों में तैयार हो जाती है। इसके फूल सफेद और दाने क्रीमी सफेद होते हैं। यह सब्जी बनाने के लिए अच्छी मानी जाती है। इस पर सफेद रोग कम आता है और फली छेदक का हमला कम होता है।

पंजाब 88- यह पी ए यू लुधियाणा की किस्म है। फलियां गहरी हरी और मुड़ी हुई होती हैं। यह 100 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। इसकी हरी फलियों की औसतन पैदावार 62 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

मटर अगेता पी.ए.यू. लुधियाणा की तरफ से तैयार की गई अगेती और छोटे कद की किस्म है। इसके दाने मुलायम और हरे रंग के होते हैं। इसकी औसतन पैदावार 24 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

फील्ड पी 48 अगेती पकने वाली दरमियानी किस्म है। इसके दाने हल्के हरे रंग के मोटे और झुरड़ियों वाले होते हैं। यह 135 दिनों में पकती है। यह सब्जी बनाने के लिए अच्छी मानी जाती है। इसकी औसतन पैदावार 27 क्विंटल प्रति एकड़ है।

कुछ अन्य किस्में

अगेती

असौजी आई.ए.आर.आई. की तरफ से तैयार की गई किस्म है।

अर्ली सुपर्ब - यह इंगलैंड की तरफ से तैयार की गई छोटे कद की किस्म है।

अर्केल - यह फ्रांस की किस्म है जिसकी पैदावार 16 - 18 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

लिट्ल मार्वल- यह छोटे कद की इंगलैंड की किस्म है।

जवाहर मटर - इस किस्म की पैदावार 16 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

जवाहर मटर 4- इस किस्म की पैदावार 28 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

पंत मटर

हिसार हरित -

मध्य ऋतु की किस्में

बॉनविले - यह अमरीका की किस्म है जिसकी औसतन पैदावार 36 क्विंटल प्रति एकड़ है।

लिंकन - इसकी औसतन पैदावार 40 क्विंटल प्रति एकड़ है।

जवाहर मटर 1 - इसकी औसतन पैदावार 48 क्विंटल प्रति एकड़ है।

जवाहर मटर 2

पंत उपहार - इसकी औसतन पैदावार 40 क्विंटल प्रति एकड़ है।

जवाहर पी 83 - इस किस्म की फलियों की पैदावार 48 -52 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

जवाहर पीज 15 - इस किस्म की फलियों की पैदावार 52 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

खरीफ ऋतु की फसल की कटाई के बाद सीड बैड तैयार करने के लिए हल से 1-2 जोताई करें। हल से जोतने के बाद 2 या 3 बार तवी हल से जोताई करें। जल जमाव से रोकने के लिए खेत को अच्छी तरह समतल कर लेना चाहिए। बिजाई से पहले खेत की एक बार सिंचाई करें यह फसल के अच्छे अंकुरन में सहायक होती है।

अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए अंत अक्तूबर से मध्य नवंबर के बीच बिजाई पूरी कर लें। इसके आगे बिजाई में देरी करने से उपज में कमी होगी। अगेती मंडीकरन के लिए मटरों को अक्तूबर के दूसरे पखवाड़े में उगाएं।

अगेती किस्मों के लिए 30 सैं.मी. × 50 सैं.मी. और पिछेती किस्मों के लिए 45 - 50 सैं.मी. × 10 सैं.मी.फासले का प्रयोग करें।

बीज को मिट्टी में 2 से 3 सैं.मी. गहरा बोयें।

बिजाई का ढंग

इसकी बिजाई मशीन से मेंड़ बनाकर करें जोकि 60 सैं.मी. चौड़ी होती हैं।

बीज

बीज की मात्रा

बिजाई के लिए 35 - 40 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

बीज का उपचार

बिजाई से पहले बीजों को कसान या थीरम 3 ग्राम या कार्बेनडाज़िम 2.5 ग्राम से प्रति किलो बीज का उपचार करें। रासायनिक तरीके से उपचार के बाद बीजों से अच्छी पैदावार लेने के लिए उन्हें एक बार राइज़ोबियम लैगूमीनोसोरम से उपचार करें। इसमें 10 प्रतिशत चीनी या गुड़ का घोल होता है। इस घोल को बीजों पर लगाएं और फिर बीज को छांव में सुखाएं। इससे 8 -10 प्रतिशत पैदावार में वृद्धि होती है।

इनमें से किसी एक फंगसनाशी/कीटनाशी दवाई का प्रयोग करें

फंगसनाशी दवाई

मात्रा (प्रति किलोग्राम बीज)

कसान 3 ग्राम

थिराम 3 ग्राम

कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम

खाद रासायनिक खादों का उपयोग मिटटी के परिक्षण और साइल हेल्थ कार्ड के आधार पर ही करें। अपने स्थानीय कृषि विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। खादों की पूरी मात्रा कतारों के साथ डाल दें।

प्रजातियों और रसायनों के उपयोग

अच्छे अंकुरण के लिए बिजाई से पहले सिंचाई जरूर करनी चाहिए। यदि इसकी खेती धान फसल के बाद की जाती है तो मिट्टी में पर्याप्त नमी होने पर, इसे सिंचाई के बिना भी बोया जा सकता है। बिजाई के बाद एक या दो सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई फूल निकलने से पहले और दूसरी फलियां भरने की अवस्था में करें। भारी सिंचाई से पौधों में पीलापन बढ़ जाता है और उपज में कमी आती है।

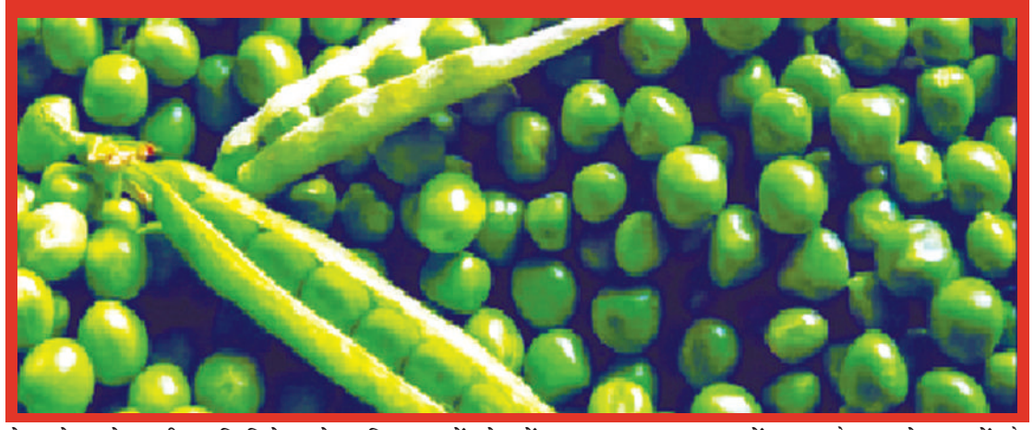

से पहले अपने स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से अवश्य परामर्श लें जिस से इस्तेमाल का सही ढंग पता चले। रसायनों के उपयोग से पहले अपने स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेना इसलिए भी आवश्यक है कि पता चले कि रसायन कहीं प्रतिबंधित तो नहीं हैं।

किस्म के आधार पर एक या दो गोडाई की आवश्यकता होती है। पहली गोडाई 2 -3 पत्ते आने की अवस्था पर या बिजाई के 3 - 4 सप्ताह बाद की जाती है और दूसरी गोडाई फूल निकलने से पहले की जाती है। मटर की खेती में नदीनों की रोकथाम के लिए नदीननाशक का प्रयोग करना सबसे प्रभावी ढंग है। नदीनों के नियंत्रण के लिए पैंडीमैथालीन 1 लीटर या बसालिन 1 लीटर प्रति एकड़ में डालें। बिजाई के 48 घंटे में नदीननाशक का प्रयोग करें।

अच्छे अंकुरण के लिए बिजाई से पहले सिंचाई जरूर करनी चाहिए। यदि इसकी खेती धान फसल के बाद की जाती है तो मिट्टी में पर्याप्त नमी होने पर, इसे सिंचाई के बिना भी बोया जा सकता है। बिजाई के बाद एक या दो सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई फूल निकलने से पहले और दूसरी फलियां भरने की अवस्था में करें। भारी सिंचाई से पौधों में पीलापन बढ़ जाता है और उपज में कमी आती है।

हानिकारक कीट और रोकथाम

मटर के पत्तों का सुरंगी कीट लार्वा पत्तों में सुरंग बनाकर पत्ते को खाता है। जिस कारण 10 से 15 प्रतिशत तक फसल का नुकसान होता है।

यदि इसका हमला दिखे तो डाइमैथोएट 30 ई सी 300 मि.ली. को 80 - 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में स्प्रे करें। जरूरत पड़ने पर 15 दिनों के बाद दोबारा स्प्रे करें।

मटर का थ्रिप और चेपा = यह पत्तों का रस चुसते हैं जिस कारण पत्ता पीला हो जाता है और पैदावार कम हो जाती है।

इसकी रोकथाम के लिए डाइमैथोएट 30 ई सी 400 मि.ली. को 80 - 100 लीटर पानी में डालकर प्रति एकड़ में स्प्रे करें। जरूरत पड़ने पर 15 दिनों के बाद दोबारा छिड़काव करें।

फली छेदक मटरों की फसल का खतरनाक कीड़ा है। यदि इस कीड़े की रोकथाम जल्दी ना की जाये तो यह फूलों और फलियों को 10 से 90 प्रतिशत नुकसान पहुंचाता है।

शुरूआती नुकसान के समय कार्बरिल 900 ग्राम को प्रति 100 लीटर पानी में डालकर प्रति एकड़ पर स्प्रे करें। जरूरत के अनुसार 15 दिनों के फासले पर दोबारा स्प्रे करें। ज्यादा नुकसान के समय 1 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 800 ग्राम को 100 लीटर पानी में डालकर स्प्रे वाले पंप से प्रति एकड़ में स्प्रे करें।

सूखा इस बीमारी के कारण जड़ें काली हो जाती हैं और बाद में सूख जाती हैं। पौधा छोटा और रंग बिरंगा हो जाता है। पत्ते पीले होकर किनारों से मुड़ जाते हैं। सारा पौधा मुरझा जाता है। इसकी रोकथाम के लिए बीज का उपचार कर लेना जरूरी है।

बिजाई से पहले बीज को थीरम 3 म या कार्बेनडाज़िम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी से उपचार कर लेना चाहिए और बुरी तरह से प्रभावित क्षेत्रों में अगेती बिजाई ना करें। तीन साल का फसली चक्र अपनायें। ज्यादा नुकसान होने की हालत में कार्बेनडाज़िम 5 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर पौधे की जड़ों के साथ-साथ छिड़काव करें। लैथीरस वीसिया जैसे नदीनों को नष्ट कर दें।

कुंगे पौधे के पत्ते, टहनियां, फलियों और पीले भूरे रंग के उभरे हुए धब्बे पड़ जाते हैं।

मैनकोजेब 25 ग्राम या इंडोफिल 400 ग्राम को 100 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें और 10 - 15 दिनों के अंतराल पर दोबारा स्प्रे करें।

पत्तों पर सफेद धब्बे = पत्तों के निचली तरफ, शाखाओं और फलियों पर सफेद रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। इसके कीट पौधे को अपने भोजन के रूप में लेते हैं। ये फसल की किसी भी अवस्था में विकसित हो सकते हैं। ज्यादा हमले के कारण पत्ते गिर भी जाते हैं।

यदि इसका हमला दिखे तो कैराथेन 40 ई सी 80 मि.ली. को 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में स्प्रे करें। 10 दिनों के अंतराल पर कैराथेन की तीन स्प्रे करें।

फसल की कटाई

हरी फलियों की उचित अवस्था पर तुड़ाई करनी चाहिए। मटर का रंग गहरे हरे से हरा होने पर जितनी जल्दी हो सके तुड़ाई कर लेनी चाहिए। 6 से 10 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 तुड़ाइयां की जा सकती हैं। उपज किस्म, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और खेत में इसके प्रबंधन पर निर्भर करती है।

कटाई के बाद

हरी फलियों की लंबे समय तक उपलब्धता बढ़ाने के लिए उन्हें कम तापमान पर स्टोर किया जाता है।

भारत में मटर 7.9 लाख हेक्टेयर भूमि में उगाई जाती है। इसका वार्षिक उत्पादन 8.3 लाख टन एवं उत्पादकता 1029 किग्रा./हेक्टेयर है। मटर उगाने वाले प्रदेशों में उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। उत्तरप्रदेश में 4.34 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मटर उगाई जाती है, जो कुल राष्ट्रीय क्षेत्र का 53.7त्न है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश में 2.7 लाख हे., उड़ीसा में 0.48 लाख., बिहार में 0.28 लाख हे. क्षेत्र में मटर उगाई जाती है मटर में सामान्यत: 20 किग्रा, नाइट्रोजन एवं 60 किग्रा. फास्फोरस बुआई के समय देना पर्याप्त होता है। इसके लिए 100-125 किग्रा. डाईअमोनियम फास्फेट (डी, ए,पी) प्रति हेक्टेयर दिया जा सकता है। पोटेशियम की कमी वाले क्षेत्रों में 20 कि.ग्रा. पोटाश (म्यूरेट ऑफ़ पोटाश के माध्यम से) दिया जा सकता है। जिन क्षेत्रों में गंधक की कमी हो वहाँ बुआई के समय गंधक भी देना चाहिए। यह उचित होगा कि उर्वरक देने से पहले मिट्टी की जांच करा लें और कमी होने पर उपयुक्त पोषक तत्वों को खेत में दें।

परम्परागत कृषि विज्ञान पर आधारित एक नई अवधारणा

जीरो बजट खेती का अर्थ है की चाहे कोई भी फसल हो उसका उपज मोल ज़ीरो होना चाहिए। (कॉस्ट ऑफ़ प्रोडक्शन शुड बी जीरो) जीरो बजट खेती (इसे हम प्राकृतिक या कुदरती खेती भी कह सकते हैं) मैं इस्तेमाल होने वाले साधन बाजार से खरीद कर नहीं डाले जाने चाहिए। वो सारे साधन और तत्व पौधे की जड़ों के आस पास ही पड़े होते हैं। अलग से बना बनाया कुछ भी डालने की जरूरत नहीं है। हमारी धरती पूर्ण तरह से पालन हार है।

हमारी फसलें धरती से किनते प्रतिशत तत्व लेती हैं ?

हमारी फसल डेढ़ से दो प्रतिशत ही धरती से लेती हैं। बाकि अठानवे से साढ़े अठानवे प्रतिशत हवा और पानी से लेती हैं। असल मैं जीरो बजट खेती में फसल लेने के लिए अलग से कुछ डालने की जरूरत नहीं है। यही खेती का मूल विज्ञान है। हरे पत्ते दिन भर खाद का निर्माण करते हैं। हर एक हरा पत्ता अपने आप में एक खाद्य का कारखाना है जो की इन्ही चीजों से खुराक बनाता है। वो हवा से कार्बन-डॉइ-ऑक्साइड और नाइट्रोजन लेता है। सूरज की रौशनी से ऊर्जा (12/5 किलो कैलोरीज प्रति वर्ग फुट एरिया प्रति दिन) ले कर खुराक का निर्माण करता है। किसी भी फसल या पेड़ का पत्ता दिन की दस घंटे धुप के दौरान प्रति वर्ग फुट एरिया के हिसाब से साढ़े चार ग्राम खुराक तैयार करता है। इस साढ़े चार ग्राम से डेढ़ ग्राम दाने को या ढाई ग्राम फल या पेड़ के किसी और हिस्से को मिल जाता है जहाँ योग्यता हो। खुराक बनाने योग्य तत्व वो हवा या पानी से लेता है जो की बिलकुल मुफ्त है। बरसात से इकठा हुआ पानी पौधे की जड़ों तक पहुँच जाता है। इस लिए न तो बादल का कोई बिल है और न हवा पानी का। सब मुफ्त मिलता है। जब पौधे ये तत्व लेते हैं तो किसी डॉक्टर या यूनिवर्सिटी की फरमाइश से नहीं लेते। अगर हम ये मान भी लेते हैं तो जंगलों मैं ये प्रक्रिया कौन से विश्वविद्यालय या डॉक्टर करते हैं ? ये बिलकुल कुदरती होता है। अब बात ये उठती है की अगर ये सब धरती मैं है तो डॉक्टर मिट्टी की जाँच क्यों करवाते हैं। हाँ, वो ये जानने के लिए कि मिट्टी में कौन से तत्व हैं। फिर डॉक्टर ये कहते हैं की आपकी मिट्टी मैं तत्व तो हैं लेकिन पौध इनको ग्रहण नहीं कर सकता इसलिए ऊपर से डालने पड़ेंगे। असल मैं ये बात वैसे ही है जैसे हमारे घर में खाना पड़ा हो लेकिन पका हुआ न हो और पकाने वाले भी घर पे न हों। फिर हम बाहर स पका हुआ खाना मगवा कर खाएं। उसी तरह तत्व तो हमारी धरती में सभी हैं लेकिन उनको पकाने वाले जीव हमने मार दिए हैं रसायन या कीट नाशक या और केमिकल डाल कर। अगर हम इनके उपयोग को बंद करके देसी तरीके से चलते हैं तो हम जरूर उन खाना बनने वाली प्रक्रियाओं को चालू कर सकते हैं। इस लिए हमें धरती के भीतर और बाहर के जीव-जन्तुओं को समन्वित अनुपात में पुनर-स्थापित करना होगा।

हम अनंत कोटि जीवों को कैसे खेत में डाल कर खाद बनाने के काम में लगा सकते हैं ?

अनंत कोटि जीवों को कैसे खेत में डाल कर खाद बनाने का चमत्कारी साधन है हमारी देसी गाय का गोबर। इसमें करोड़ो सक्षम और सूक्ष्म जीव होते हैं जो धरती माता को चाहिए होते हैं। ये धरती को ऐसे जाग लगाते है जसे दूध को दही। जैसे पूरी हांडी का दूध सिर्फ एक चमच दही की जाग से ही दही बन जाता है वैसे ही गाए का गोबर काम करता है। एक गाए के एक ग्राम के गोबर में तीन सो करोड़ से पांच सो करोड़ तक सूक्ष्म और सक्षम जीव होते हैं।

एक एकड़ ज़मीन को कितना गोबर चाहिए ?

इस्पे खोज की गई थी जिस में महाराष्ट्र की गोलउ, लाल कंधारी, खिलारी, देवनी डांगी, निमारी और पश्चिमी भारत की गिर, थपरकर, साहीवाल, रेड सिन्धी, और दक्षिणी भारत की अमृत महल और कृष्णा काठी, और उत्तर भारत की हरियाणा नामी गाय खोज का हिस्सा बनी थी। इनके ऊपर किये गए तजुरबे और उनके परिणाम नीचे दिए गए हैं देसी गाय का गोबर और मल-मूत्र सबसे उत्तम है।